हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 42 ■ नई दिल्ली 14 से 20 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

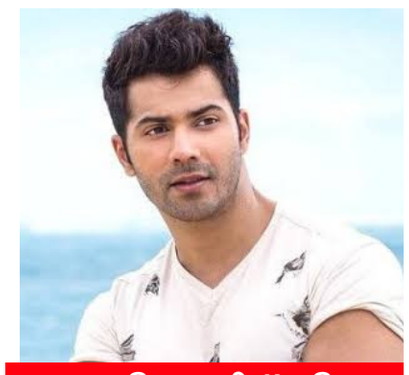

यश राज फिल्म्स की हॉरर फिल्म में वरुण निभाएंगे लीड रोल

एक नजर

राहुल गांधी कानून का सम्मान करें, अराजकता न फैलाएं: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के संसद मार्ग थाने के बाहर किए गए विरोध प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। भाजपा के मुताबिक जिस मामले को लेकर राहुल गांधी धरना दे रहे हैं, उसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है। राहुल गांधी बिना पूर्व अनुमति संसद मार्ग थाने के बाहर धरने पर बैठे, जबकि पुलिस पहले स्पष्ट कर चुकी है कि मामले में एफआईआर दर्ज है और जांच जारी है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस मामले में गठित समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश कर रहे हैं। इसके अलावा इसमें दो अन्य न्यायाधीश, सीबीआई के पूर्व निदेशक और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गोली चली थी या नहीं, यह भी इसी समिति की जांच का विषय है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, क्या राहुल गांधी को कानून के शासन का कोई सम्मान नहीं है? क्या वे अपनी मर्जी से कहीं भी जाकर धरना देंगे और अराजकता फैलाएंगे? भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर अराजकता की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बिना अनुमति या पूर्व सूचना के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर धरने पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने राहुल गांधी को जानकारी दी है कि जिस घटना का वह जिक्र कर रहे हैं, उसमें पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और मामले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले की जांच के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी गठित की है।

जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। बताया गया कि वे जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस में हुए आंदोलनों के दौरान पैलेट गन के कथित इस्तेमाल से प्रभावित साहिल के मामले में जानकारी लेने और एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर पुलिस अधिकारियों से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस स्टेशन के बाहर कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि 20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने दावा किया कि साहिल के शरीर में 200 से ज्यादा छर्रे लगे हैं और उसकी आंख में तीन छर्रे लगे हैं। उन्होंने कहा कि एम्स की रिपोर्ट में भी शरीर में बड़ी संख्या में छर्रे होने की बात दर्ज है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह भी वे एक पुलिस स्टेशन गए थे, जहां से उन्हें दूसरे थाने जाने के लिए कहा गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित पक्ष को लगातार परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद मुकुल वासनिक ने भी इस पूरे मामले को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जांच अपनी जगह जारी रहेगी लेकिन सबसे पहले यह पता लगना चाहिए कि कथित तौर पर कील लगी लाठियों के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। क्या इस कार्रवाई का आदेश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिया था या किसी और ने।

चंपत राय ने नौ पेज की चिट्ठी में 33 बिन्दु उठाए

कहा–मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के फैसले रहे हावी

अयोध्या, एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने गुरुवार को बयान के रूप में नौ पन्नों की चिट्ठी जारी की इसमें उन्होंने 33 बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र को लेकर कई अहम दावे किए । राय ने कहा है कि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण से जुड़े कई अहम फैसले लिए। यही नहीं फैसले लेते समय उन्होंने किसी अन्य के फैसले को महत्व नहीं दिया।

चंपत राय ने दावा किया कि मंदिर निर्माण के फैसलों में नृपेंद्र मिश्र के फैसले प्रमुख रहे ।

उन्होंने चिट्ठी में कहा है कि उच्चतम न्यायालय ने राम मंदिर निर्माण के लिए जो ट्रस्ट बनाया, उसमें 15 ट्रस्टी लिखे गए। इसके अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र बनाए गए। राय ने कहा कि उन्हीं के सुझावों के आधार पर एल एंड टी को मंदिर निर्माण के लिए चुना गया। उन्होंने बताया कि भवनों ने निर्माण के लिए नोएडा की फर्म डिजाईन एसोसिएट (फर्म प्रमुख जय काकतीकर) को नृपेन्द्र मिश्रा ने ही चुना।

उन्होंने चिट्ठी मे लिखा कि यह भी सत्य है कि नृपेन्द्र मिश्र के कारण पत्थरों से बना इतना विशाल मंदिर जून 2020 में कोरोना काल से प्रारम्भ होकर जून 2026 तक पूर्ण रूप से समाज को समर्पित हो गया। यह केवल नृपेन्द्र मिश्र के प्रयत्नों का परिणाम है। जब कभी कोई बाधा आई तत्काल संबंधित विषय के देश के योग्यतम व्यक्तियों को उन्होंने निवेदन करके अयोध्या बुला लिया और उनके परामर्श के आधार पर वह बाधा दूर हो गई। यह भी सत्य है कि अधिकांश विद्वानों ने यहां सेवाभाव से सुझाव दिए अर्थात कोई पारिश्रमिक श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से नहीं लिया।

राय ने कहा कि अनूप मित्तल जो कभी एनबीसीसी के चेयरमेन रहे, वे मंदिर निर्माण समिति के सदस्य भी हैं। वह सिविल इंजीनियर हैं। सदैव इंजीनियरिंग विषय पर नृपेन्द्र मिश्र के सलाहकार रहे। नृपेन्द्र के सभी लिखित कार्य अनूप ही करते थे। उदाहरण के लिए निर्माण समिति बैठकों के विवरण तैयार करना, संबंधित व्यक्तियों को भेजना आदि, अनूप के साथ एक युवा सिविल इंजीनियर यश मित्तल सदैव आये, वे तत्काल अपने लैपटॉप पर हर विषय को टाइप करते थे। उसी के आधार पर सब कार्य होते थे। यह प्रशंसनीय है। कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्राहलय उत्तर प्रदेश सरकार की सम्पत्ति है। नृपेन्द्र मिश्र ने सोचा कि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी एक संग्रहालय बनाना है। छोटे से कस्बे में दो संग्रहालय व्यवहारिक नहीं हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के संबंधित अधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने स्वीकार कर लिया।

उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में लिखित अनुबंध हुआ। 30 वर्ष के लिए संग्रहालय भवन तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लीज पर प्राप्त हो गया। उसे देखने पर सब ने अनुभव किया कि इसका पूर्ण जीर्णोद्धार आवश्यक है। नृपेन्द्र मिश्र ने संग्रहालय के सम्पूर्ण कार्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय से सेवा निवृत्त संजीब सिंह का चयन किया। वे अयोध्या आ गए। सभी कार्य संभाल लिया।

राय के अनुसार, वास्तुकार जयकाकतीकर ने ड्राइंग बनाई। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को जीर्णोद्धार कार्य सौंप दिया गया। इंजीनियर इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) को जीर्णोद्धार कार्य की देखभाल का कार्य सौंपा गया। संजीब सिंह ने संग्रहालय में 20 गैलरी की रूपरेखा तैयार की। ट्रस्ट के अध्यक्ष मिश्र ने कुछ कार्यों को विकसित करने और संग्रहालय में लगाने का कार्य आई.आई. टी. मद्रास को सौंप दिया। उन्होंने अयोध्या आकर देखा और कार्य प्रारम्भकर दिया। प्रति मास मंदिर निर्माण समिति की बैठक के साथ-साथ संग्रहालय से संबंधित कार्यों के लिए ही दो-तीन सत्रों में नृपेन्द्र मिश्र ने संबंधित सभी व्यक्तियों के साथ बैठना प्रारम्भ कर दिया। धीरे-धीरे कार्य आगे बढ़ रहा है। संभावना है कि दिसम्बर 2027 तक संग्रहालय समाज को देखने के लिए खोल दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने 20 अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के प्रमुखों से की मुलाकात

भारत को वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने का किया आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित सेवा तीर्थ में भारत के 20 प्रमुख अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और संस्थापकों (फाउंडर्स) के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती क्षमता की सराहना करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए अधिक सहयोग और नवाचार पर जोर दिया।

इस बैठक में उन स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि शामिल हुए जो रॉकेट निर्माण, पुनः उपयोग योग्य अर्ध-क्रायोजेनिक प्रक्षेपण यान, उपग्रह तकनीक, वैमानिकी इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया समाधान, अंतरिक्ष मलबा हटाने की तकनीक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित मौसम और जलवायु पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

स्टार्टअप संस्थापकों ने प्रधानमंत्री को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई तेज प्रगति के बारे में जानकारी दी और भविष्य के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनियों ने स्वदेशी तकनीक और क्षमताओं के विकास में वर्षों की मेहनत और निवेश किया है। साथ ही उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने और विभिन्न नीतिगत सुधारों के लिए केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार के सहयोग और कंपनियों के बीच बढ़ती भागीदारी के कारण एक मजबूत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी टीमें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं। स्टार्टअप प्रमुखों ने याद किया कि जब सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी सहभागिता के लिए खोला था, तब इससे उद्योग जगत में नया उत्साह पैदा हुआ और भारतीय कंपनियों के लिए अनेक अवसर खुले। उन्होंने यह भी बताया कि अब कई उद्योग और संस्थान निजी अंतरिक्ष कंपनियों द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप संस्थापकों के साहस, नवाचार और पहल की सराहना करते हुए कहा कि निजी कंपनियों द्वारा प्रदर्शित आत्मविश्वास ने अंतरिक्ष क्षेत्र को उदारीकृत करने के निर्णय को और मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों के पास अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बड़े निवेश करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं या वे ऐसे निवेश को प्राथमिकता नहीं देते। ऐसी स्थिति भारत के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है, जिससे वह वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग में अपनी स्थिति को तेजी से मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनियों को अपनी तकनीकों के नए उपयोग तलाशने और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया जो आम लोगों के जीवन को आसान बना सकें। उन्होंने अंतरिक्ष स्टार्टअप्स और अन्य क्षेत्रों में काम कर रही कंपनियों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि अंतरिक्ष मलबा प्रबंधन पर काम करने वाली कंपनियां पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर सकती हैं, ताकि उनकी तकनीक का व्यापक उपयोग हो सके। इसी तरह कृषि क्षेत्र से जुड़ी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियां कृषि विश्वविद्यालयों और सरकारी विभागों के साथ मिलकर किसानों को बेहतर निर्णय लेने, मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

पूरा 'वंदे मातरम्' गाया जाना इस बार स्वतंत्रता दिवस को खास बना गया : शाह

सिलीगुड़ी, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश की आजादी और विभाजन के बाद लंबे समय तक कुछ लोगों ने 'वंदे मातरम्' को पूरे मन से स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि संसद में इस गीत को गाया जाता था और सभी लोग सम्मान में खड़े होते थे, लेकिन आजादी के बाद भी इसका पूरा संस्करण नहीं गाया जाना उन्हें हमेशा खलता रहा।

अमित शाह ने यह बात दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने जवानों से संवाद किया और सिलीगुड़ी में कई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का समारोह उनके लिए खास रहा। शाह ने बताया कि 2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब भी लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं, वह वहां मौजूद रहे हैं। लेकिन इस बार 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह अलग रहा, क्योंकि पहली बार पूरा 'वंदे मातरम्' गाया गया।

गृह मंत्री ने 'वंदे मातरम्' की रचना करने वाले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को याद करते हुए कहा कि इस रचना ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी, बल्कि स्वतंत्र भारत की कल्पना को भी दिशा दी। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अपनी रचना के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया कि स्वतंत्र भारत कैसा होना चाहिए।

सीमा सुरक्षा और सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन आवंटन के मुद्दे पर अमित शाह ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पद संभालने के बाद सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन आवंटन का लंबे समय से लंबित काम तेजी से आगे बढ़ा है। राज्य सरकार अब तक इसके लिए 1,129 एकड़ जमीन आवंटित कर चुकी है।

अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई बार उनसे सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया था, लेकिन उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य से भाजपा के लिए नहीं, बल्कि देश की सीमा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए जमीन मांग रही थी।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का भारत दौरा: राष्ट्रपति भवन में पूर्ण अभ्यास की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को संकेत दिया कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की आगामी भारत यात्रा तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। उनके औपचारिक स्वागत की तैयारियों के तहत राष्ट्रपति भवन ने साप्ताहिक 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह को रद्द करने की घोषणा की है ताकि स्वागत समारोह का पूरा अभ्यास किया जा सके। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में होने वाले 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह (सुरक्षा गार्ड को बदले जाने से जुड़ा एक सैन्य कार्यक्रम) इस शनिवार (22 अगस्त, 2026) को नहीं होगा, क्योंकि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के औपचारिक स्वागत के लिए पूर्ण अभ्यास किया जाना है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब 12-13 सितंबर को होने वाले 'ब्रिक्स' के शिखर सम्मेलन के लिए रहमान की प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा को लेकर राजनयिक अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालिया तनाव के कारण है, जो ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग किए जाने से पैदा हुई है। इससे पहले मंगलवार को, भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने ढाका में बांग्लादेशी व्यापारिक नेताओं और भारत से पहुंचे प्रतिनिधिमंडल के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रहमान की यात्रा को 'यादगार' बनाना चाहते हैं।

त्रिवेदी ने कहा था, प्रधानमंत्री मोदी ने बस एक बात कही है। हमें मिलना चाहिए। हालांकि, ढाका की ओर से सतर्कता भरे संकेत मिल रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस को बृहस्पतिवार को दिए गए एक साक्षात्कार में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा था कि जब तक 'आपसी भरोसे' का माहौल नहीं बन जाता और नई दिल्ली की ओर से 'सम्मानजनक आमंत्रण' नहीं मिलता, तब तक रहमान के शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना 'बहुत कम' है।

आवास आवंटन में अनियमितता के आरोप, लाभार्थियों और जमीन की जांच की करी मांग

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः रेणुकूट नगर पंचायत रेणुकूट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटन में बड़े पैमाने पर अनियमितता किए जाने का आरोप समाजसेवी विजय प्रताप सिंह ने लगाया है। उन्होंने योजना के तहत आवास पाने वाले लाभार्थियों और आवास निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई भूमि की जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि पात्रता और भूमि संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए कई ऐसे लोगों को भी आवास का लाभ दे दिया गया है, जिनके नाम संबंधित भूमि का कोई स्वामित्व दर्ज नहीं है। समाजसेवी विजय प्रताप सिंह का कहना है कि नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिन लोगों को आवास दिए गए हैं, उनमें कई मामलों में लाभार्थियों के नाम जमीन नहीं है। इसके बावजूद स्टांप पेपर पर लिखा-पढ़ी के आधार पर दूसरे व्यक्तियों की जमीन पर आवास स्वीकृत कर दिए गए। उनका आरोप है कि इस तरह की प्रक्रिया से भविष्य में

जमीन के स्वामित्व को लेकर विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर रेलवे की जमीन पर भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिए जाने की बात सामने आ रही है। यदि ऐसा हुआ है तो यह गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजना के तहत आवास आवंटन में भूमि के स्वामित्व और पात्रता की विधिवत जांच किया जाना जरूरी है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को ही योजना का लाभ मिल सके।

विजय प्रताप सिंह ने आवास आवंटन में वार्डवार असमानता पर भी सवाल उठाया है। उनका कहना है कि नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक से नौ तक के पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ नहीं मिल सका, जबकि वार्ड संख्या 10 से 14 तक के लोगों को बड़ी संख्या में आवास दिए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पात्रता के आधार पर आवास आवंटित किए गए हैं तो पहले नौ वार्डों के पात्र लोगों को योजना से वंचित रखने का आधार क्या है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है। ऐसे में यदि योजना के क्रियान्वयन में किसी स्तर पर मनमानी या अनियमितता हुई है तो इसकी जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में स्वीकृत और आवंटित सभी आवासों की सूची सार्वजनिक करने, लाभार्थियों की पात्रता, भूमि के स्वामित्व तथा आवास निर्माण स्थल का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है।

समाजसेवी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि मामले को लेकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी सहित संबंधित अन्य अधिकारियों को भी लिखित शिकायत की गई है। शिकायत के माध्यम से नगर पंचायत क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित आवासों की निष्पक्ष जांच कराने, लाभार्थियों की पात्रता और भूमि के स्वामित्व का सत्यापन कराने तथा नियमों के विपरीत आवास आवंटित किए जाने की स्थिति में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों से शिकायत के बाद अब उन्हें उम्मीद है कि मामले की गंभीरता से जांच कराकर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाएगी। समाजसेवी ने संबंधित अधिकारियों से नगर पंचायत क्षेत्र में आवंटित सभी आवासों का स्थलीय सत्यापन कराने और पात्र लोगों को ही योजना का लाभ सुनिश्चित कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अनियमित तरीके से आवास आवंटित किए जाने के मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

करनाल पुलिस ने विद्यार्थियों को महिला-बाल अपराधों के प्रति किया जागरूक

घनश्याम दास

हरियाणाः करनाल महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर जिला पुलिस करनाल द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत बुधवार, 19 अगस्त को पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओंगद और मधुबन पब्लिक स्कूल कुचपुरा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पुलिस काउंसलिंग सेल की प्रभारी निरीक्षक राजेश लता ने की। कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक राजेश लता ने छात्र-छात्राओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। बाल विवाह कराने, उसमें सहयोग करने या उसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया।

इसके अलावा विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट के तहत बच्चों को प्राप्त कानूनी संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों को गुड टच और बैड टच की जानकारी देते हुए कहा गया कि किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार या शोषण की स्थिति में तुरंत अभिभावकों, शिक्षकों या पुलिस को सूचना दें। ऐसे मामलों में पीड़ित बच्चे की पहचान गोपनीय रखने का प्रावधान है। महिला सुरक्षा के संबंध में छात्राओं को हरियाणा पुलिस के दुर्गा शक्ति ऐप के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में इस ऐप के माध्यम से तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है। विद्यार्थियों को ऐप डाउनलोड करने और उसके उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। स्कूल प्रशासन ने जिला पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता जताई। जिला पुलिस करनाल ने आमजन से अपील की कि महिलाएं और बच्चे अपनी सुरक्षा को लेकर जागरूक रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

प्रशिक्षण से संकल्प तक, छतरपुर के विकास की नई सोच के साथ लौटे नगर अध्यक्ष

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः छतरपुर राजधानी रांची स्थित श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (SKIPA) परिसर में झारखंड के नगर निकायों के निर्वाचित अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के लिए आयोजित AMRUT 2.0 के दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण में नगर निकायों के प्रभावी संचालन, शहरी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और जनप्रतिनिधियों की भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में शामिल छतरपुर नगर निकाय के अध्यक्ष ने इसे महज सरकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि नगर विकास को बेहतर ढंग से समझने, नई योजनाओं की जानकारी हासिल करने और अन्य नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से सीखने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। अंतिम दिन अधिकारियों और विशेषज्ञों ने शहरी विकास, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नगर निकायों की जिम्मेदारियों तथा विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर जानकारी साझा की। प्रशिक्षण के बाद सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

प्रशिक्षण के दौरान झारखंड के विभिन्न नगर पंचायतों एवं नगर निकायों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों से अनुभवों का आदान-प्रदान हुआ। जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की समस्याओं, विकास कार्यों और चुनौतियों को साझा किया। विभिन्न निकायों में किए जा रहे बेहतर कार्यों और सफल प्रयोगों पर भी चर्चा हुई।छतरपुर नगर अध्यक्ष ने कहा कि नगर निकायों के विकास को गति देने के लिए एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना और बेहतर योजनाओं को साझा करना जरूरी है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से लगातार संवाद बनाए रखने और नगर निकायों की सामूहिक समस्याओं को सरकार के समक्ष रखने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया।

उन्होंने SKIPA में प्रशिक्षण प्राप्त करने को गौरव और प्रेरणा का क्षण बताते हुए कहा कि दो दिनों के प्रशिक्षण से उन्हें नई ऊर्जा और जिम्मेदारी का एहसास हुआ है। प्रशिक्षण में मिली जानकारी को केवल प्रमाण-पत्र तक सीमित न रखकर उसे धरातल पर उतारना ही इसका वास्तविक उद्देश्य है। छतरपुर लौटते हुए नगर अध्यक्ष ने कहा कि प्रशिक्षण में मिली जानकारी, अधिकारियों के मार्गदर्शन और अन्य नगर निकायों के अनुभवों का उपयोग छतरपुर के विकास में किया जाएगा। जनता के विश्वास को विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के माध्यम से मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पद केवल सम्मान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है और प्रशिक्षण केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि उस जानकारी को धरातल पर उतारने का संकल्प है।

एक वर्ष से फरार शराबबंदी मामलों के आरोपी को LCB ने किया गिरफ्तार

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः छोटाउदेपुर जिले में फरार और वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत लोकल क्राइम ब्रांच (LCB) ने करीब एक वर्ष से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी बोडेली और रंगपुर थाना क्षेत्र में दर्ज शराबबंदी के मामलों में वांछित था। पुलिस महानिरीक्षक, वडोदरा विभाग, वडोदरा संदीपसिंह और छोटाउदेपुर पुलिस अधीक्षक इम्तियाज शेख के निर्देश पर जिले में फरार आरोपियों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में छउ के पुलिस निरीक्षक एम.एफ. डामोर के मार्गदर्शन में टीम छोटाउदेपुर थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बोडेली और रंगपुर थाना क्षेत्र के शराबबंदी मामलों में फरार आरोपी छोटाउदेपुर स्थित डॉन

बॉस्को स्कूल के पास मौजूद है। सूचना मिलते ही LCB टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान राकेशभाई रतनसिंह उर्फ रतुड़ियाभाई तोमर (चौहान), उम्र 28 वर्ष, निवासी मोटीवडोई पटेल फलिया, तहसील कठीवाड़ा, जिला अलीराजपुर, मध्यप्रदेश के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ बोडेली और रंगपुर थाने में शराबबंदी अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब 16 माह पहले बोडेली थाना क्षेत्र में शराब से भरी गाड़ी पकड़ी गई थी। इसके बाद रंगपुर थाना क्षेत्र में भी शराब की गाड़ी पकड़ी गई थी, जिसमें उसका नाम सामने आया था। पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए वह इंदौर की ओर मजदूरी करने चला गया था और तभी से फरार था। आरोपी की तलाशी के दौरान पुलिस को कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई।

पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को इठरर की धारा 35(1) के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ बोडेली थाने में सी.पार्ट गु.र. नं. 11184008250611/2025 तथा रंगपुर थाने में सी.पार्ट गु.र.नं. 11184007126041 9/2026 के तहत मामले दर्ज हैं। दोनों मामलों में शराबबंदी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के साथ रंगपुर मामले में BNS की धाराएं भी लगाई गई हैं। LCB की इस कार्रवाई से लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है।

आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे दीपांकर भट्टाचार्य

जमीन-अधिग्रहण और कोयला खनन के खिलाफ संघर्ष को दिया समर्थन

मो. समीर

झारखण्डः बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा क्षेत्र में पिछले करीब चार वर्षों से जारी आंदोलन के बीच आज भाकपा (माले) के केंद्रीय महासचिव कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मांगों को विस्तार से सुना। इस दौरान आंदोलनकारियों ने एकजुट होकर अपनी बातें कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य के सामने रखीं। उन्होंने ग्रामीणों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि उनकी समस्याओं और मांगों को सांसद, लोकसभा और विधानसभा सहित संबंधित स्तरों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ

पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

ग्रामीणों का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य अपनी जमीन, खेती और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना है। उनकी प्रमुख मांग है कि क्षेत्र में जमीन का अधिग्रहण न किया जाए, कोयला खनन की अनुमति न दी जाए और प्रस्तावित कोयला परियोजना का आवंटन रद्द किया जाए। आंदोलनकारियों के अनुसार, गोंदलपुरा क्षेत्र के अधिकांश लोग खेती-किसानी पर निर्भर हैं। उनका कहना है कि कम बारिश के बावजूद यहां की जमीन पर अच्छी फसल होती है और वर्षभर विभिन्न प्रकार की फसलें उगाकर ग्रामीण अपना जीवन-यापन करते हैं।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि क्षेत्र की पहाड़ियों और जंगलों में कई प्रकार की प्राकृतिक जड़ी-बूटियां और औषधीय पौधे पाए जाते हैं, जिनका स्थानीय लोग वर्षों से पारंपरिक उपचार में इस्तेमाल करते आ रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि खनन शुरू होने से जंगल और पहाड़ी क्षेत्र प्रभावित होंगे तथा इन प्राकृतिक संसाधनों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। ग्रामीणों ने क्षेत्र की नदी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इस नदी पर आसपास के हजारों लोगों की आजीविका और दैनिक जीवन निर्भर है। उनका दावा है कि यदि क्षेत्र में खनन शुरू हुआ तो नदी, जंगल, खेती और जलस्रोतों पर गंभीर असर पड़ सकता है।ग्रामीणों का कहना है कि उनका आंदोलन केवल जमीन बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खेती, जल, जंगल, पहाड़ और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को बचाने की लड़ाई है। कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य के दौरे से आंदोलनकारियों में नया उत्साह देखने को मिला।

बोडेली नगरपालिका के कामकाज पर AAP ने उठाए सवाल, डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः बोडेली नगरपालिका के प्रशासनिक कामकाज को लेकर आम आदमी पार्टी की स्थानीय इकाई ने सवाल उठाते हुए डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि नगरपालिका में विभिन्न कार्यों के लिए आने वाले नागरिक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बावजूद अनावश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाओं और सवालों का सामना कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि आवेदकों से निर्वाचित वार्ड सदस्यों के माध्यम से पहचान संबंधी जानकारी मांगे जाने के कारण लोगों को नगरपालिका कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

AAP ने मांग की कि नागरिकों

द्वारा सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल, सुगम और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। ज्ञापन में बोडेली-हालोल स्टेट हाईवे पर डिवाइडर के ऊपर मां रेसिडेंसी तक जल्द स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग भी की गई। इसके अलावा हाईवे किनारे स्थित विभिन्न सोसायटियों के आसपास खुले में फेंके जा रहे कचरे और गंदगी की समस्या का समाधान कर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। पार्टी ने कहा कि गंदगी के कारण क्षेत्र में बीमारी और महामारी का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए सफाई व्यवस्था पर तत्काल ध्यान दिया जाना जरूरी है। आम आदमी पार्टी ने प्रशासन से सभी जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

पलामू-बिहार पुलिस की बैठक, अपराध रोकने पर बनी रणनीति

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः पलामू छतरपुर उग्रवाद, अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से पलामू पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बुधवार को छत्तरपुर अनुमंडल कार्यालय में पलामू एवं बिहार के सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों की अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक शाम चार बजे शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आईपीएस दिव्यांश शुक्ला ने की, जबकि मेजबानी छत्तरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने की। बैठक में पलामू जिले से सटे बिहार के

सीमावर्ती क्षेत्रों के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, असिस्टेंट कमांडेंट एवं विभिन्न थाना प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों एवं अन्य आपराधिक घटनाओं से संबंधित सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान तथा दोनों राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने आवश्यकता के अनुसार संयुक्त नक्सल विरोधी अभियान चलाने और सीमा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया।

इस दौरान अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित चेक पोस्टों को मजबूत करने, आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने को लेकर रणनीति बनाई गई। वहीं वांछित अपराधियों एवं वारंटियों की सूची आपस में साझा करने और उनकी गिरफ्तारी के लिए संयुक्त कार्रवाई करने पर सहमति बनी। बैठक में अवैध हथियार, मादक पदार्थ, अवैध शराब एवं पशु तस्करी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संयुक्त अभियान चलाने पर भी विशेष बल दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सीमा क्षेत्र का फायदा उठाकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों के खिलाफ दोनों राज्यों की पुलिस आपसी समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करेगी। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों के बीच नियमित संवाद और सूचनाओं के आदान-प्रदान की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इससे उग्रवाद, अपराध एवं तस्करी जैसी गतिविधियों पर समय रहते कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। पलामू पुलिस ने कहा कि आमजन की सुरक्षा तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस लगातार आवश्यक कदम उठाती रहेगी।

गश्त के दौरान सड़क हादसे में दरोगा की हुई मौत, सिपाही गंभीर रूप से हुआ घायल

कौशिक तिवारी

उत्तर प्रदेशः अयोध्या पूराकलंदर थाना क्षेत्र में रायबरेली मार्ग पर नऊवा कुआं के पास देर रात गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों की कार गिट्टी लदे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में उपनिरीक्षक आकाश यादव की मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल प्रदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों की कार ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पुलिस की कार बुरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही साथी पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने 28 वर्षीय उपनिरीक्षक आकाश यादव को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि आकाश यादव मूल रूप से जौनपुर जनपद के रहने वाले थे। वहीं, 27 वर्षीय कांस्टेबल प्रदीप कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद पुलिस ने गिट्टी लदे ट्रेलर को कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बीमारी प्रभावित गांवों में मच्छरों पर वार

बिरसा और बैहर में घर-घर फॉगिंग अभियान तेज

अशोक महूले

मध्य प्रदेशः बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्रामों के साथ-साथ अब बैहर विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा मच्छरों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन एवं उनकी गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर फॉगिंग मशीन के माध्यम से धुआं कर रही हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीमारी प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ ही संक्रमण फैलाने वाले संभावित कारकों की रोकथाम पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में मच्छरों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए फॉगिंग की कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य अमले द्वारा घरों के आसपास, गलियों तथा ऐसे स्थानों पर विशेष रूप से फॉगिंग की जा रही है, जहां मच्छरों की अधिकता की संभावना रहती है।

घर-घर पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीमें

फॉगिंग अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचकर घर-घर फॉगिंग कर रही हैं। टीमों द्वारा ग्रामीणों को मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी जा रही है। ग्रामीणों से घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने, साफ-सफाई रखने तथा मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की जा रही है। बिरसा विकासखंड के बीमारी प्रभावित ग्रामों में पहले से ही स्वास्थ्य विभाग की टीमें स्वास्थ्य सर्वेक्षण, जांच एवं उपचार संबंधी गतिविधियों में जुटी हुई हैं। अब बैहर विकासखंड के प्रभावित ग्रामों में भी मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग कार्य को व्यापक रूप दिया गया है।

संभावित मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम पर जोर

मच्छरों के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एहतियाती तौर पर यह अभियान चलाया जा रहा है। फॉगिंग के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले द्वारा बुखार एवं अन्य बीमारी के लक्षण वाले लोगों की जानकारी जुटाने, आवश्यकतानुसार जांच कराने तथा गंभीर मरीजों को उपचार के लिए स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। फील्ड में तैनात स्वास्थ्य कार्यकताओं के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है तथा किसी भी प्रकार के बीमारी के लक्षण सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित टीम को सूचित किया जा रहा है।

ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपने घरों एवं आसपास साफ-सफाई रखें और कहीं भी पानी जमा न होने दें। घरों में पानी के बर्तनों, टंकियों एवं अन्य पात्रों को ढंककर रखें तथा मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें। किसी व्यक्ति को लगातार बुखार, ठंड लगना, कमजोरी या अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं उपचार करने के बजाय तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य बीमारी प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के साथ-साथ बीमारी के संभावित कारणों और मच्छरों की रोकथाम के लिए भी प्रभावी कदम उठाना है। बिरसा और बैहर विकासखंड के प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग अभियान लगातार जारी रहेगा और आवश्यकता के अनुसार अन्य स्थानों पर भी फॉगिंग कराई जाएगी।

पंचमुखी महादेव मंदिर पहुंचे जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पूजा-अर्चना कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मंगलवार को पंचमुखी महादेव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और भगवान के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी के मंदिर पहुंचने पर संबंधित अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने मंदिर परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर में व्यवस्थाएं व्यवस्थित और सुचारु रहना जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं और किसी भी तरह की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों से कहा कि साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्क रहने और जरूरत के अनुसार आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। मंदिर परिसर में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इस अवसर पर तहसीलदार रॉबर्ट्सगंज अमित सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जिलाधिकारी को मंदिर की व्यवस्थाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए गए निदेशों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

हाईवे जाम के बाद रैपुरा पहुंचीं डीएम-एसपी

जनचौपाल में ग्रामीणों और छात्रों की सुनी समस्याएं

रानू

उत्तर प्रदेशः महोबा रैपुरा गांव में सड़क की खराब स्थिति और जलभराव की समस्या को लेकर हाईवे जाम करने के मामले के बाद जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। गुरुवार को जिलाधिकारी महोबा श्रीमती गजल भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक श्री शशांक सिंह ने ग्राम रैपुरा पहुंचकर जनचौपाल लगाई और छात्रों व ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं गौरतलब है कि 19 अगस्त को रैपुरा गांव के ग्रामीणों और स्कूली छात्रों ने गांव को जोड़ने वाली सड़क की जर्जर हालत, गड्ढों और जलभराव की समस्या को लेकर झांसी-मिजार्पुर (कुलपहाड़-महोबा) हाईवे पर जाम लगा दिया था। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब एक घंटे में जाम समाप्त हो गया था मामले का संज्ञान लेते हुए डीएम और एसपी ने गांव पहुंचकर जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों और छात्रों से बातचीत की। अधिकारियों ने ग्रामीणों से पूछा कि सड़क और जलभराव जैसी समस्याओं की

जानकारी पहले प्रशासन को क्यों नहीं दी गई।

उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन हमेशा तत्पर है और लोग सीधे संबंधित अधिकारियों को अपनी समस्याएं बता सकते हैं अधिकारियों ने हाईवे जाम करने से होने वाली परेशानियों के बारे में भी ग्रामीणों को बताया। उन्होंने कहा कि सड़क जाम होने से एंबुलेंस, आवश्यक सेवाओं और आम राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों और छात्रों ने भी भविष्य में इस तरह की स्थिति उत्पन्न न होने देने और प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रखने की बात कही जनचौपाल में छात्रों ने सड़क की खराब स्थिति और जलभराव के कारण विद्यालय आने-जाने में होने वाली दिक्कतों से अधिकारियों को अवगत कराया। वहीं मौके पर पुलिस बल के व्यवहार को लेकर भी अपनी बात रखी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए डीएम और एसपी ने कहा कि जनसंवाद और जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। जनचौपाल में उठाई गई समस्याओं को बिंदुवार दर्ज कर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र समाधान कराया जाएगा।

जन्मदिन पर छात्राओं के बीच पहुंचे सोनभद्र DM, केक काटकर बांटी खुशियां

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अपने जन्मदिवस को एक नवाचार के रूप में मनाते हुए मंगलवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पहुंचकर छात्राओं के बीच अपना जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, कैमूर वन्यजीव प्रभाग, मिजार्पुर आरुषि मिश्रा भी उपस्थित रहीं। जिलाधिकारी ने छात्राओं के साथ केक काटकर जन्मदिवस की खुशियां साझा कीं तथा उनके साथ भोजन भी ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों एवं भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से पूछा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहती हैं और समाज एवं देश के विकास में किस प्रकार अपना योगदान देना चाहती हैं। छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने एवं अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की।

जिलाधिकारी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं लगन के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि बेटियां आज शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, खेल, तकनीक, सेना सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। छात्राएं अपनी क्षमता और प्रतिभा को पहचानते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर जनपद के अधिकारियों को भी प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन के विशेष एवं खुशी के अवसरों को विद्यालयों, आश्रम पद्धति विद्यालयों एवं अन्य बाल संस्थानों में जाकर बच्चों के साथ साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा बच्चों के बीच जाकर उनके साथ समय बिताने, संवाद करने और खुशियां साझा करने से बच्चों में अपनत्व, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक भावनाओं का विकास होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बच्चों के जीवन में खुशी के विशेष क्षण पैदा करते हैं और उन्हें यह एहसास कराते हैं कि समाज के जिम्मेदार लोग भी उनके साथ खड़े हैं। इससे बच्चों के भीतर नई ऊर्जा, उत्साह एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा जागृत होगी।

जिलाधिकारी ने विद्यालय में स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल माध्यम से छात्राओं को दी जा रही शिक्षा का जायजा लिया। उन्होंने डिजिटल संसाधनों के उपयोग, शिक्षण प्रक्रिया एवं छात्राओं की सहभागिता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को और अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। छात्राओं को डिजिटल शिक्षा का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालय में आने-जाने के मार्ग, छात्राओं के पठन-पाठन तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जो भी आवश्यकताएं हैं, उनका तत्काल आकलन कर प्रस्ताव/मांग पत्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि छात्राओं को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने छात्राओं से भोजन के संबंध में फीडबैक भी लिया।

स्कूल में लगाया गया विधिक जागरूकता शिविर, POCSO अधिनियम की दी जानकारी

राजपूत रंजीत

हरियाणाः भिवानी जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) डॉ. गगनदीप कौर सिंह के मार्गदर्शन में गांव कुड़ल स्थित वीर शहीद बीएल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (CJM) पवन कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, उनके कानूनी अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। सीजेएम पवन कुमार ने विद्यार्थियों को बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (POCSO Act), 2012 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार, शोषण या उत्पीड़न का सामना करना पड़े तो वे चुप न रहें और इसकी जानकारी तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षकों या संबंधित अधिकारियों को दें। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना परिवार, विद्यालय और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी विद्यार्थियों और ग्रामीणों को जागरूक किया गया। वन विभाग के सहयोग से कार्यक्रम में 600 पौधों का वितरण किया गया। सीजेएम पवन कुमार ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं और प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी करनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सीजेएम ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याएं उनके समक्ष रखीं, जिस पर उन्होंने उचित कार्रवाई करवाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर ग्राम सरपंच सुनीता देवी, विद्यालय के प्राचार्य जयवीर सिंह, शिक्षकगण, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। शिविर के माध्यम से बच्चों को कानूनी अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम को सामाजिक जागरूकता और बच्चों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

देर रात गोलीकांड से मचा हड़कंप, कंबल फैक्ट्री कर्मचारी के सीने में लगी गोली

कौशिक तिवारी

उत्तर प्रदेशः गोरखपुर खजनी थाना क्षेत्र के छताई पुल के पास मंगलवार देर रात गोली चलने की घटना से सनसनी फैल गई। अज्ञात परिस्थितियों में कंबल कारखाने के कर्मचारी रोशन सिंह के सीने में गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल रोशन को स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गोली लगने के बाद रोशन सड़क किनारे गंभीर हालत में पड़ा था। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस के पायलट मनीष सिंह और एमटी आज्ञा राम मौके पर पहुंचे और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया।

बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलने के करीब 20 मिनट बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, तब तक घायल को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा जा चुका था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल सकती है पुलिस

गोली किसने चलाई और वारदात के पीछे क्या वजह थी,

इसका अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास कर सकती है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि घटना किसी विवाद के दौरान हुई या हमलावर पहले से घात लगाए बैठे थे। वारदात के बाद आरोपी किस दिशा में फरार हुए और घटना में कितने लोग शामिल थे, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल पुलिस घायल के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच में जुटी है। गोलीकांड की खबर फैलते ही खजनी क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह और गोली चलाने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पतरा कला में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

पिता-पुत्री की हुई मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

शाहिद अफरीदी

झारखण्डः हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत पतरा कला में 15 अगस्त की शाम हुए सड़क हादसे में पिता और उनकी तीन वर्षीय पुत्री की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद से इलाके में मातम के साथ आक्रोश का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, मुहम्मद यासीन अपनी पत्नी नगीना खातून और तीन वर्षीय पुत्री माहिरा परवीन के साथ दोपहिया वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान पतरा कला के पास एक स्कॉर्पियो ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में मुहम्मद यासीन और उनकी पुत्री माहिरा परवीन की मौत हो गई, जबकि नगीना खातून गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला का उपचार कराया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने आरोप लगाया कि हादसे में एनटीपीसी की गाड़ी शामिल थी। हालांकि, वाहन और चालक की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। दुर्घटना के वास्तविक कारण और जिम्मेदार वाहन की स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मुआवजे की मांग को लेकर परिजन और स्थानीय जनप्रतिनिधि रात से धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मांगों को लेकर सड़क जाम होने से आवागमन भी प्रभावित हुआ। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि काफी समय बीतने के बावजूद कोई सक्षम प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर उनसे बातचीत करने नहीं आया। वहीं, एनटीपीसी की ओर से भी किसी सक्षम अधिकारी के धरना स्थल पर पहुंचने की बात सामने नहीं आई है। हादसे के बाद से मृतकों के शव घटनास्थल पर रखे होने की बात कही जा रही है।

ग्रामीण और परिजन अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर काफी नाराजगी है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई और पीड़ित परिवार के साथ होने वाली बातचीत पर टिकी हैं। प्रशासन द्वारा जांच के बाद ही हादसे की पूरी स्थिति और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

सम्पादकीय

पुलिस दमन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को छात्रों के हक की मांग उठा रहे प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस ने जो अत्याचार पर किया है, उसके खिलाफ दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की और एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जोयमाल्या बागची और न्यायाधीश वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि इस समिति में सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व जज, किसी हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और एक वरिष्ठ रिटायर्ड पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि इस उच्चस्तरीय पैनल को मामले के तथ्य जुटाने का काम सौंपा जाएगा और इसे समय-समय पर अपनी रिपोर्ट देनी होगी, जिसके आधार पर न्यायालय आवश्यक निर्देश जारी करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि समिति महिला प्रदर्शनकारियों के साथ यौन उत्पीड़न, ऑनलाइन उत्पीड़न (साइबर बुलिंग) और सोशल मीडिया के जरिए संवेदनशील/कमजोर वर्ग के लोगों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी।

शीर्ष अदालत के इस फैसले से यह तो स्पष्ट हो चुका है कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे निहत्थे लोगों पर दमनकारी उपाय आजमाए गए थे। हालांकि 20 जुलाई के सैकड़ों-हजारों वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, जिनमें नजर आ रहा है कि प्रदर्शनकारियों को मारा-पीटा गया। पीटने वालों में पुलिस की वर्दी पहने लोग भी हैं, जिनमें कईयों की वर्दी पर कोई नाम नहीं है, वहीं कुछ लोग सादे कपड़ों में भी पीटते हुए दिखे। किसी लड़की को पुरुष पुलिसकर्मी ने पीटा तो किसी तिरंगा पकड़े हुए लड़के को पुलिस ने उठा कर पटक दिया, जिससे उसके हाथों से तिरंगा भी जमीन पर गिरा। राहुल गांधी ने तो प्रदर्शनकारियों पर बर्बरतापूर्ण तरीके से पैलेट गन के इस्तेमाल का भी न केवल आरोप लगाया, बल्कि उससे घायल लोगों को मीडिया के सामने प्रस्तुत भी किया। सरकारी अस्पतालों की भी रिपोर्ट आई है कि कम से कम 10 मरीज ऐसे आए जो पैलेट गन से घायल हुए हैं।

विपक्षी दलों ने सरकार से इसी पर जवाब मांगा कि प्रदर्शनकारियों पर ऐसे भयावह दमन की इजाजत किसने दी। लोकतंत्र के सबसे बड़े स्थल संसद में बाकायदा सरकार से सवाल पूछा गया, लेकिन जवाब देने की जगह गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में आना ही जरूरी नहीं समझा। इधर मंगलवार को ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि इतने बड़े आंदोलन के बावजूद किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई, किसी की एक हड्डी नहीं टूटी और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन का पैमाना बड़ा था और इसमें कथित तौर पर कुछ 'अपराधी' भी छात्रों के रूप में शामिल हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी, 'डफली बजाने वाले प्रदर्शनकारियों', भीम आर्मी और समाजवादी पार्टी से जुड़े कई लोग आंदोलन में आए और उन्होंने लोगों को भड़काया। इसके बाद भाजपा शासन के चिर-परिचित अंदाज में किरण रिजिजू ने कांग्रेस की गलती बताते हुए कहा कि उस के शासनकाल में कई आंदोलनों में हजारों लोगों की मौत हुई थी। उनके

स्कूलों में छेड़खानी

- डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि बच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की? पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है।

भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए POCSO Act, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल 'विद्यालय का

दिमागी नक्सल को लेकर नई बहस

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> पिछले दिनों पंद्रह अगस्त के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में से नक्सल आतंक को समाप्त कर दिया गया है, लेकिन कुछ दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं। इसको लेकर बहुत हो हल्ला हुआ। कुछ लोग बहुत ज्यादा गुस्से में आ गए। लेकिन गुस्से में आने वालों को एक ही तराजू पर नहीं तोला जा सकता। उनमें से कुछ तो ऐसे हैं जो सचमुच ही दिमागी नक्सलवादी हैं। वे अभी तक चुपचाप अपना काम कर रहे थे। उनके इस 'चुपचाप काम' का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा था, लेकिन इन छिपे दिमागी नक्सलवादियों की किसी को भनक तक नहीं लग रही थी। जैसे कोई शातिर चोर अचानक चोरी करता हुआ पकड़ा जाए तो वह समय की नजाकत को भांप कर राबिनहुड बनने की कोशिश करता है। इस प्रथम कैटेगरी में पी. चिदंबरम आते हैं।

तब तुरंत कांग्रेस में घुसे हुए पी. चिदंबरम जैसे दिमागी नक्सलवादियों ने समझ लिया कि इस चेतावनी की गंभीरता को कम करने के लिए चिल्लाया जाए कि हां मैं दिमागी नक्सल हूं। महबूबा मुफ्ती जैसे लोग देखादेखी चिल्ला रहे हैं कि शायद यह तगमा भी शोहरत देगा। लेकिन कांग्रेस को गंभीरता से अपने यहां से दिमागी नक्सलियों को निकालना चाहिए। पर क्या ऐसा हो पाएगा? क्योंकि कहा जाता है कि राहुल गांधी को भी पार्टी में दिमागी नक्सलियों ने ही घेरा हुआ है

पिछले दिनों पंद्रह अगस्त के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में से नक्सल आतंक को समाप्त कर दिया गया है, लेकिन कुछ दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं। इसको लेकर बहुत हो हल्ला हुआ। कुछ लोग बहुत ज्यादा गुस्से में आ गए। लेकिन गुस्से में आने वालों को एक ही तराजू पर नहीं तोला जा सकता। उनमें से कुछ तो ऐसे हैं जो सचमुच ही दिमागी नक्सलवादी हैं। वे अभी तक चुपचाप अपना काम कर रहे थे। उनके इस 'चुपचाप काम' का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा था, लेकिन इन छिपे दिमागी नक्सलवादियों की किसी को भनक तक नहीं लग रही थी। जैसे कोई शातिर चोर अचानक चोरी करता हुआ पकड़ा जाए तो वह समय की नजाकत को भांप कर राबिनहुड बनने की कोशिश करता है। इस प्रथम कैटेगरी में पी. चिदंबरम आते हैं। दूसरी कैटेगरी ऐसे लोगों की है जिसको न नक्सलवाद से कुछ लेना-देना है और न ही उनका इससे कुछ लेना-देना है। क्योंकि मोदी ने कहा है कि कुछ छिपे हुए दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं, इससे उन्होंने अंदाजा लगा लिया कि क्योंकि मोदी अपने विरोधी दल वालों को तरह तरह से उकसाते हैं, इसलिए जरूर ये दिमागी नक्सल इंडी गठबंधन में होंगे। अब इंडी गठबंधन में उनको वह स्थान नहीं मिल रहा जो पहले मिला करता था। ऐसे लोगों को लगा कि इंडी गठबंधन में अपनी खोई हैसियत दोबारा पाने का यह सुनहरी मौका है।

उनको लगा देश की जनता यह मान लेगी कि मोदी से जो विरोधी नेता लड़ सकता है, वह वही है जो इस वक्त ज्यादा चिल्लाएगा कि वह दिमागी नक्सल है। इस कैटेगरी में दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके अरविंद केजरीवाल आते हैं। अभी नरेंद्र मोदी का लाल किला का संबोधन शायद पूरा भी नहीं हुआ था कि केजरीवाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह ही सबसे बड़ा दिमागी नक्सलवादी है। केजरीवाल को लगा कि राहुल गांधी जब भी भारत में आते हैं, तो चीख चिल्ला कर बताना शुरू कर देते हैं कि विरोधी पक्ष का मैं ही नेता हूं। मोदी मुझसे डरते हैं। इस प्रकार लड़ाई मोदी बनाम राहुल बनती है। यह देखकर केजरीवाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह सबसे बड़े दिमागी नक्सलवादी हैं। वैसे भी केजरीवाल ने अपनी राजनीति की शुरूआत ही इस मंत्र से की थी। वे वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़े थे। दिमागी नक्सल के लिए भी दिमाग चाहिए। यह सूत्र बहुत से लोग अपने आप को दिमागी नक्सल कहने की हड़बड़ी में भूल ही गए। एक तीसरी श्रेणी भी मंच पर उतरी। उसने भी दावा किया है कि वह दिमागी नक्सल है। उस कैटेगरी में कश्मीर घाटी की महबूबा मुफ्ती हैं। अचानक न जाने उसको क्या सूझी कि अरविंद केजरीवाल को चिल्लाते देख कर महबूबा मुफ्ती ने भी मुंडेर पर आकर चिल्लाना शुरू कर दिया कि मुझे पहचानो, मैं भी दिमागी नक्सल ही हूं। लेकिन महबूबा मुफ्ती भूल गईं कि इस्लाम में नक्सलवादी पैदा नहीं होते, बल्कि वहां वे नकाब में नमूदार होते हैं। इसलिए महबूबा मुफ्ती के मामले पर जाने से पहले यह जान लेना जरूरी हो गया है कि आखिर दिमागी नक्सलवादी का अर्थ क्या है? अपने वक्त में एक यहूदी कार्ल मार्क्स ने बहस चलाई थी कि संसार को बदलने के लिए, उसमें आम लोगों को शामिल करने और उनकी राय को समझने बूझने की जरूरत नहीं है। संसार को बदलने का, सिस्टम को बदलने का निर्णय चंद गिने चुने लोग ही करते हैं।

यह जरूरी तो नहीं 'संसार बदल देने' के उनके इस निर्णय से लोग सहमत ही हों। इसका उत्तर मिल चुका था कि उनकी राय की जरूरत ही नहीं है। लेकिन यह भी तो हो सकता है कि लोग उनके इस प्रयोग का विरोध ही शुरू कर दें। इसका उत्तर था कि परिवर्तन बंदूक से आता है। इसके लिए चुनाव करवाने की जरूरत नहीं पड़ती। बैलेट बाक्स नहीं, बल्कि बुलेट इसका फैसला करता है। ऐसे तर्क गढ़ने वाले दिमागी लोग ही होते हैं। रूस में सबसे पहला ऐसा प्रयोग हुआ। परिवर्तन तो हो गया लेकिन उसमें लाखों लोग मौत के घाट उतार दिए गए। इस नए प्रयोग और सिस्टम को कम्युनिज्म नाम दिया गया। लेकिन साथ ही यूरोप में एक नई बहस भी छिड़ गई कि बंदूक की बजाय लोकतंत्रिक तरीके से भी तो कम्युनिज्म आ ही सकता है। यदि ज्यादा लोग कम्युनिस्ट पार्टी को वोट दे देंगे तो उसकी सरकार आ जाएगी और नई सरकार परिवर्तन कर ले। भारत में भी 1925 में कम्युनिस्ट पार्टी बनी। बाद में उसमें फूट पड़ गई। उसका दूसरा ग्रुप सीपीएम के नाम से काम करने लगा। सीपीएम ने पश्चिमी बंगाल में लोकतांत्रिक तरीके से अपनी सरकार बना ली और सिस्टम को अपने हिसाब से बदलने का काम करना शुरू कर दिया। तब कुछ लोगों ने कहना शुरू किया कि यह ठीक है कि बंगाल में कम्युनिस्ट सरकार बन गई है। लेकिन इसका तरीका गलत है। सरकार बदलने का कम्युनिस्ट तरीका तो माओ ने दिखाया है कि ह्यसत्ता बंदूक की गोली से निकलती हैह्व। लेकिन यहां तो सत्ता वोटों के डिब्बे से निकली थी। यह गलत तरीका है। सही तरीके से सत्ता परिवर्तन होना चाहिए था। उन्होंने अपना तीसरा ग्रुप बना लिया जिसका नामकरण हुआ सीपीआई (एमएल), यानी कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी। इस पार्टी ने बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से परिवर्तन का कम्युनिस्ट तरीका प्रयोग करना शुरू किया और गोली मार कर लोगों की जमीनों पर कब्जा शुरू किया। यह पार्टी नक्सलवादी पार्टी के नाम से प्रसिद्ध हो गई। इस पार्टी ने एक नया नारा भी दिया कि 'चीनेर चेयरमैन आमादेर चेयरमैन', यानी चीन का चेयरमैन ही हमारा अर्थात भारत का चेयरमैन है। इस पार्टी ने अपने विभिन्न गुटों में तालमेल बिठा कर भारत के विभिन्न प्रांतों के लगभग 180 जिलों में अपना सिस्टम कायम कर लिया था और इसको लाल गलियारा कहा जाने लगा। इस पूरी प्रक्रिया के दो हिस्से थे। कुछ लोग शहरों में बैठ कर नौजवानों को परिवर्तन के सही माओवादी तरीके समझाते थे। ये नौजवान जंगलों में जाकर बंदूक की गोली से परिवर्तन लाने में जुटते थे, मारे जाते थे और शहरों में बैठे दूसरे लोग नई खेप तैयार करते रहते थे। इस पूरी प्रक्रिया में अब तक लाखों लोग मारे गए। शहरों में बैठ कर मौत का यह धंधा करने वालों को दिमागी नक्सल कहा जाने लगा।

दिमागी नक्सलवादियों ने भी दोहरी रणनीति अपनाई। उनमें से बहुत से समय समय पर कांग्रेस पार्टी में घुस गए। पार्टी का मानना था कि कांग्रेस की अपनी कोई विचारधारा तो नहीं है। इसलिए कांग्रेस में घुस कर इसके आप्रेटस पर ही कब्जा कर लेना चाहिए। मोदी ने इसी का खुलासा किया था कि जंगल में बंदूक से लोगों को मारने वाले नक्सल तो समाप्त हो गए हैं, अब केवल दिमागी नक्सल बचे हैं, उनसे होशियार रहने की जरूरत है।

छात्रों ने कई मुद्दों पर बुनियादी बदलाव का मैसेज दिया

राजेश पांडेय

शिक्षा का सीधा संबंध रोजगार से है। असंतोष और संकट के मूल में बढ़ती बेरोजगारी है। हर साल वर्क फोर्स में 70-80 लाख युवा जुड़ते हैं। 80प्रतिशत बेरोजगार 15 से 24 आयु वर्ग के हैं। ग्रेजुएट्स के बीच बेरोजगारी की दर 29 फीसदी के आसपास है। आंदोलनों की अगली कतार में इस आयु वर्ग के लोग अधिक हैं। स्कूली छात्रों के जुड़ने का कारण अनिश्चित भविष्य तो है ही।

20 जून को जंतर-मंतर, नई दिल्ली से शुरू हुए छात्रों के आंदोलन की आवाज देश के कई राज्यों तक पहुंच चुकी है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश,राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश सहित कई राज्यों में विद्यार्थियों ने अपनी मांगों के समर्थन में धरना दिया और रैलियां निकाली हैं। कहीं बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली, स्कूलों में शिक्षकों और जरूरी सुविधाओं की कमी, तो कहीं होस्टल की ज्यादा फीस जैसे मुद्दों ने छात्रों को सड़क पर आने के लिए प्रेरित किया है। बदलाव और बेचैनी की ऊर्जा से भरी यह हलचल हमारे समाज, राजनीति और सरकारी तंत्र को वर्तमान दौर की चुनौतियों को समझने और उसके हिसाब से कदम उठाने का स्पष्ट संदेश देती है।

इन आंदोलनों ने कुछ अहम पहलुओं को रेखांकित किया है। कुछ नए ट्रेंड उभर रहे हैं। छात्रों के आंदोलन राज्यों की राजधानियों और बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहे। आमतौर पर किसी मुद्दे, मांग या विषय के पक्ष-विपक्ष में जनता के विभिन्न वर्ग बड़े शहरों में एकजुट होते आए हैं। अक्सर राजनीतिक दलों, छात्रों, मजदूर संघों और सामाजिक संगठनों द्वारा जनमत जगाने, विरोध जताने और लोगों को संगठित करने की मुहिम राजधानियों या बड़े शहरों में आकार लेती है। बहुत व्यापक आंदोलनों को छोड़ दें तो कई बार वह उन्हीं स्थानों तक सिमटकर रह जाती है। इस बार स्थिति अलग है। दिल्ली, भोपाल, रायपुर जैसी राजधानियों से उठी आवाज की अनुगूंज छोटे शहरों में सुनाई पड़ रही है।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव आंदोलनों में हिस्सा लेने वाले लोगों के स्वरूप में हुआ है। कॉलेज छात्रों के साथ स्कूली छात्र आगे आए हैं। स्कूली छात्र सिर्फ हाईस्कूल तक सीमित नहीं हैं। कई जगह मिडिल स्कूल के छात्रों ने सीनियर साथियों के साथ मोर्चा संभाला है। लड़कियां भी पीछे नहीं हैं। वे सिर्फ दिल्ली या राजधानियों में ही नहीं छोटे शहरों तक में सड़क पर उतरी हैं। सवाल है, ऐसा क्यों हो रहा है? जाहिर है, वे मौजूदा स्थितियों में अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त नहीं हैं। उन्हें जिंदगी की दौड़ में पिछड़ने का खतरा नजर आता होगा।

छोटे शहरों के छात्रों के जागरूक होने का मुख्य कारण उनकी मांग तो है ही पर सोशल मीडिया ने उनके लिए कैटलिस्ट या उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। मोबाइल के परदे का छोटा स्क्रीन उन्हें दिल्ली से लेकर सैनफ्रांसिस्को तक की हलचल की जानकारी देता है। वे सिर्फ रील बनाने, देखने या मनोरंजन तक सीमित नहीं होंगे। उन्हें साइंस, टेक्नालॉजी, इनोवेशन से जुड़ी गतिविधियों की खबरें मिल रही हैं। स्पेस साइंस के चमत्कार भी उनकी कल्पनाओं का हिस्सा बन रहे होंगे। वे देख रहे हैं कि कैसे अमेरिका के कोई मार्क जकरबर्ग फेसबुक, व्हाट्सएप जैसा टूल बनाते हैं तो कैसे ओपन एआई के सैम आल्टमैन चैट जीपीटी पेश कर रहे हैं। वे यह भी जानने लगे हैं किस तरह मेडिकल साइंस ने दिल और मस्तिष्क के रोगों सहित कई लाइलाज बीमारियों में राहत देने का रास्ता खोज लिया है। सूचना क्रांति का वर्तमान समय छात्रों सहित हर किसी को लोकतंत्र, आजादी और खुलेपन की अहमियत बताता है। वह उनके अंदर सिस्टम की जड़ता को तोड़ने और नई राह पर चलने की बेचैनी पैदा करता है। उन्हें कहीं लगता है कि वे असली बदलाव से बहुत दूर हैं। युवा महसूस कर रहे हैं कि मौजूदा व्यवस्था उन्हें सिर्फ प्रतियोगिता की अंतहीन होड़ में झोंक रही है। सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक व्यवस्था को नैतिकता, ईमानदारी, विश्वसनीयता और मानवीय मूल्यों के प्रसार का वाहक होना चाहिए। लेकिन इसका उल्टा हो रहा है। हम हर कहीं मूल्यों का क्षरण देखते हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचा अपने पुराने ढर्रे पर चल रहा है। ऐसे सिस्टम से युवाओं का मोहभंग और हताशा स्वाभाविक है। आधुनिक दौर में ऐसी व्यवस्था के खिलाफ ताकतवर स्वर उभरते रहे हैं। युवाओं और आम लोगों ने समय-समय पर सत्ता को झकझोरने के लिए अपना असंतोष जाहिर किया है। छात्रों के सत्याग्रह का जिक्र होता है तो मार्च, मई 1968 में फ्रांस के छात्र आंदोलन को हमेशा याद किया जाता है। उस वक्त पेरिस में छात्रों ने विश्वविद्यालयों, कॉलेजों में छात्रों की भीड़, शिक्षकों की कमी और अपर्याप्त साधनों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। देश की ट्रेड यूनियन भी छात्रों के साथ खड़ी हो गई थीं। आंदोलन दूसरे शहरों में फैल गया। मजदूर संघों के साथ आने से कारखानों, दफ्तरों में काम ठप पड़ गया था।

फ्रांस के आंदोलन में तत्कालीन राष्ट्रपति चार्ल्स डिगाल की दस साल लंबी सत्ता का विरोध भी जुड़ा था। डिगाल का शासन अनुदारवादी था। उनकी तानाशाही और मनमानी के खिलाफ नौजवानों और मजदूर वर्ग में असंतोष पनप रहा था। डिगाल ने राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने नेशनल असेम्बली भंग कर दी। नए चुनाव कराए। देश में फैली अस्थिरता से परेशान मध्यम वर्ग ने डिगाल का समर्थन किया। उनकी पार्टी को संसद में फिर बहुमत मिल गया। 1969 में डिगाल ने संसद के स्वरूप में बदलाव के मुद्दे पर जनमत संग्रह कराया। लेकिन जनमतसंग्रह में हारने पर अप्रैल में उन्होंने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया।

भारत में विभिन्न स्तरों पर चल रही छात्रों की हलचल का संबंध व्यवस्था विरोधी भी है। निश्चित रूप से वह स्कूल, कॉलेजों में साधनों के अभाव से जुड़ा है। शिक्षा पर केंद्र और राज्य सरकारों का खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 2.8 से 4.3 प्रतिशत के बीच चल रहा है। वैसे, राष्ट्रीय नीति में शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने की नीति रही है। लेकिन सरकारें इसका पालन नहीं कर रही हैं। संविधान की समवर्ती सूची में शिक्षा राज्यों का विषय है। इसलिए राज्यों के हिस्से में शिक्षा के खर्च का हिस्सा 75 प्रतिशत और केंद्र सरकार का 25 प्रतिशत है। शिक्षा की पहली सीढ़ी स्कूल हैं। इसलिए उसके खर्च में कमी का असर भविष्य में शिक्षा के प्रसार और उसके स्तर पर पड़ता है। अपर्याप्त बजट का नतीजा सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, शाला भवनों की दुर्दशा और अन्य सुविधाओं के अभाव में सामने आया है। विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरस्थ ग्रामीण इलाकों के स्कूल ज्यादा अभावग्रस्त हैं। शिक्षा के प्रति सरकारों की उपेक्षा को समझने के लिए कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। देश में 2014-15 से 2024-25 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 94 हजार कम हुई है। इसमें उन स्कूलों की संख्या शामिल हैं जिन्हें राज्य सरकारें किसी अन्य स्कूल में शामिल करती हैं। अच्छी बात यह है कि इस दरम्यान शिक्षकों की संख्या में 11 लाख से अधिक इजाफा हुआ है। इन स्कूलों में भर्ती होने वाले छात्रों की संख्या दो करोड़ 26 लाख कम हो गई थी। सरकारी स्कूलों की घटती संख्या और साधनों का अभाव शिक्षा के प्रति सरकारों की प्राथमिकता का प्रमाण है।

'पीएम केयर्स' फंड का ऑडिट

डॉ. ज्ञान पाठक

आलोचनाओं में से एक यह थी कि जो फंड जनता का पैसा स्वीकार करता है- जिसमें पब्लिक सेक्टर की कंपनियों से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) योगदान और दूसरों से दान शामिल है - उसे पब्लिक ऑडिट के दायरे से बाहर क्यों रखा जाए, जबकि इस निजी फंड को एक सरकारी संस्था जैसा दिखाया जाता है। आलोचकों का तर्क था कि यह बेईमानी थी।

यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि मार्च 2020 में कोविड-19 संकट के दौरान अपनी सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद 'पीएम केयर्स' नाम का प्रचार-प्रसार वाला शब्द गढ़ा था, ताकि लोगों को बताया जा सके कि वह लोगों का ध्यान रखते हैं। इस शब्दावली को विस्तारित कर इसका नाम रखा गया 'प्राइम मिनिस्टर्स सिटिजन एसिस्टेंस एंड रिलीफ इन इमरजेंसी सिचुएशन' (आपातकालीन स्थिति में प्रधानमंत्री की नागरिक सहायता और राहत) रखा गया और इसे 27 मार्च 2020 को लॉन्च किया गया, ठीक 24 मार्च 2020 की शाम को लॉकडाउन की घोषणा के बाद। विपक्ष का आरोप था कि इसे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से अलग इसलिए बनाया गया था ताकि फंड की सार्वजनिक जांच से बचा जा सके। अब छह साल बाद हमें एहसास हो रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुसीबत में फंसे लोगों की मदद करने के बजाय दान का पैसा बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट में रखना ज्यादा पसंद था।

इसका एक बड़ा उदाहरण तब सामने आया जब 2024-25 के लिए पीएम केयर्स फंड का ऑडिट स्टेटमेंट सार्वजनिक किया गया। ऑडिट किए गए वित्तीय विवरण के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष के दौरान पीएम केयर्स फंड को कुल 1279.9 करोड़ रुपये मिले, लेकिन उसने केवल 87.85 लाख रुपये खर्च किए। पीएम केयर्स फंड के पास कुल 8,542 करोड़ रुपये उपलब्ध थे, जिसमें से 7,847 करोड़ रुपये (लगभग 93 प्रतिशत) बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट में रखे गए थे, जबकि 605 करोड़ रुपये सेविंग्स अकाउंट में रखे गए थे। यह स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता को दर्शाता है, जिन्होंने देश के लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की थी कि प्रधानमंत्री लोगों की परवाह करते हैं, लेकिन सच्चाई कुछ और ही लगती है।

जब से पीएम केयर्स फंड की स्थापना हुई, यह मुख्य रूप से एक ट्रस्ट के तहत निजी फंड के रूप में स्थापित होने के कारण विवादों में रहा, हालांकि इसमें राष्ट्रीय प्रतीक 'सारनाथ में अशोक का सिंह स्तंभ' का इस्तेमाल किया गया था, जिसके आधार पर 'सत्यमेव जयते' लिखा था और भारत के प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम भी शामिल था। ऐसा स्पष्ट रूप से कैग ऑडिट से बचने और आरटीआई अधिनियम के तहत जनता को जानकारी देने से रोकने के लिए किया गया था। इसे एक सरकारी संस्था के तौर पर नहीं बनाया गया था, हालांकि भारत के प्रधानमंत्री के नाम पर दान मांगा और लिया गया था। जमा किए गए फंड का इस्तेमाल प्रधानमंत्री और फंड के ट्रस्टी अपनी मर्जी से करते हैं, और यह भारत सरकार के खातों का हिस्सा नहीं होता है। प्रधानमंत्री कार्यालय नियमित रूप से मिले फंड के इस्तेमाल के बारे में जानकारी नहीं देता है। शुरूआती सालों से लेकर 2022-23 तक की ऑडिट रिपोर्ट बहुत देरी से जारी की गईं, और दो साल के अंतराल के बाद, वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के ऑडिट किए गए स्टेटमेंट 18 अगस्त, 2026 को सार्वजनिक किए गए। यह फंड के इस्तेमाल में पारदर्शिता की कमी का एक स्पष्ट उदाहरण है, और 2022-23 के दो वर्ष बाद भी पब्लिक ऑडिट स्टेटमेंट न होने के कारण इसे जनता की आलोचना का सामना करना पड़ा।

आलोचनाओं में से एक यह थी कि जो फंड जनता का पैसा स्वीकार करता है- जिसमें पब्लिक सेक्टर की कंपनियों से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) योगदान और दूसरों से दान शामिल है - उसे पब्लिक ऑडिट के दायरे से बाहर क्यों रखा जाए, जबकि इस निजी फंड को एक सरकारी संस्था जैसा दिखाया जाता है। आलोचकों का तर्क था कि यह बेईमानी थी। एक और विवाद प्रधानमंत्री के इस फंड के चेयरमैन (पदेन हैसियत से) होने और केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों के इसके ट्रस्टी होने से जुड़ा था। पीएम केयर्स ने हमेशा यही रुख अपनाया और आरटीआई आवेदकों को जानकारी देने से इनकार किया, यह कहते हुए कि ट्रस्ट आरटीआई एक्ट के तहत कोई सरकारी संस्था नहीं है।

प्रधानमंत्री कार्यालय का इस्तेमाल दान लेने के लिए किया गया, जिसके लिए कानूनों में भी बदलाव किए गए- जैसे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के नियमों में- और वह भी पिछली तारीख से लागू होने वाले बदलाव। इसकी आलोचना इसलिए भी हुई क्योंकि इसकी गतिविधियां जनता के प्रति जवाबदेही से परे थीं, और ये पूरी तरह से इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मर्जी (चाहे वह सही हो या गलत) पर निर्भर थीं।

2020-21 में पीएम केयर्स की कुल आय 7,913.5 करोड़ रुपये थी, लेकिन इसने केवल 3,976.2 करोड़ रुपये खर्च किए। 2021-22 में फंड को 2,116.2 करोड़ रुपये मिले और उसने 3,716.3 करोड़ रुपये खर्च किए। 2022-23 में इसे 1,305.9 करोड़ रुपये मिले लेकिन इसने सिर्फ 437.9 करोड़ रुपये खर्च किए; 2023-24 में इसे 904.9 करोड़ रुपये मिले लेकिन इसने सिर्फ.15.6 करोड़ रुपये खर्च किए; और 2024-25 में इसे 1,279.9 करोड़ रुपये मिले लेकिन इसने सिर्फ 0.9 करोड़ रुपये खर्च किए। कुल मिलाकर, मार्च 2020 में शुरू होने से लेकर 31 मार्च 2025 तक, इस फंड ने अपनी कुल कमाई का पांचवें हिस्से से भी कम- यानी सिर्फ 18.4 प्रतिशत - खर्च किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इसने अपने क्लोजिंग फंड का सिर्फ. 0.01 प्रतिशत खर्च किया।

यह कहने की जरूरत नहीं है कि फंड का इस्तेमाल बहुत कम हुआ है, जबकि बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक और इंसानी आपदाओं के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। आपातकालीन स्थितियों में जरूरतमंदों की मदद के नाम पर मिले फंड का 93 प्रतिशत बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट के तौर पर जमा करना नैतिक या मानवीय रूप से सही नहीं लगता। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री देश के लोगों की कितनी परवाह करते हैं और बड़ी मुश्किलों का सामना कर रहे लोगों को राहत देने के नाम पर बैंक डिपॉजिट बढ़ाने में उनकी कितनी दिलचस्पी है।

त्योहारी सीजन में चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त

बड़े डीलरों के लिए 15 दिन की स्टॉक सीमा

राजपूत रंजीत

दिल्ली: त्योहारी सीजन में चीनी की बढ़ती मांग और कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने बड़े डीलरों और थोक उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक सीमा को और सख्त कर दिया है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, 10 मीट्रिक टन से अधिक मासिक चीनी का इस्तेमाल या बिक्री करने वाले डीलर अब 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे।

सरकार का यह नया आदेश 1 सितंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले बड़े डीलरों के लिए 30 दिनों तक का स्टॉक रखने की अनुमति थी, जिसे अब घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। सरकार का उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता बनाए रखना और किसी भी तरह की जमाखोरी पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

त्योहारों में बढ़ जाती है चीनी की मांग

अगस्त से नवंबर के बीच गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के कारण चीनी की मांग में तेजी आती है। इस दौरान मिठाइयों, बिस्कुट और कन्फेक्शनरी उत्पादों की खपत बढ़ने के साथ बड़ी कंपनियां और कारोबारी पहले से ही अतिरिक्त स्टॉक जुटाने लगते हैं। सरकार ने इसी बढ़ती मांग को देखते हुए स्टॉक सीमा को अस्थायी रूप से सख्त किया है।

कीमतों और जमाखोरी पर नजर

सरकार के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य चीनी की कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी को रोकना और बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। बड़े डीलरों और थोक उपभोक्ताओं द्वारा जरूरत से ज्यादा स्टॉक रखने पर रोक लगाने से जमाखोरी की संभावना कम होने की उम्मीद है। इससे त्योहारी सीजन में आम उपभोक्ताओं को चीनी उचित कीमत पर उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। नए नियम के तहत 100 क्विंटल यानी 10 मीट्रिक टन से अधिक मासिक उपयोग या बिक्री वाले डीलरों को निर्धारित सीमा का पालन करना होगा। सरकार की ओर से त्योहारी अवधि के दौरान बाजार की स्थिति और चीनी की उपलब्धता पर नजर रखी जाएगी।

बहन का शव छिपाने में दोस्तों की ली थी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेम संबंध से नाराज होकर बहन की हत्या करने वाले युवक ने शव को छिपाने के लिए दोस्तों की भी मदद ली थी। बुराड़ी पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है। फिलहाल आरोपी अविनाश न्यायिक हिरासत में है। पुलिस इस मामले में जल्द ही साक्ष्य छिपाने की धारा में और गिरफ्तारी कर सकती है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को बुराड़ी के अजित विहार इलाके में रात को ब्रीफकेस में किशोरी का शव मिला था। पुलिस ने जांच के आधार पर मृतका की पहचान कर आरोपी चचेरे भाई अविनाश को गिरफ्तार कर लिया। पहले पुलिस को जांच में लग रहा था कि अविनाश ने अकेले ही हत्या के बाद लाश छिपाने का काम किया था, लेकिन फुटेज और सीडीआर से अन्य लोगों के शामिल होने के सुबूत मिले हैं। पुलिस को मिले फुटेज में आरोपी दोस्त के साथ ब्रीफकेस खरीदने जा रहा था। इसके अलावा उसने बचपन के दोस्त के दुकान पर बहन की हत्या की थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ब्रीफकेस में शव फेंकने के दौरान भी वह अपने दोस्तों के संपर्क में था।

कुत्तों की नसबंदी पर 40 लाख खर्च, फिर भी नहीं थमा आतंक, डॉग का मुखौटा पहन जनसुनवाई में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

राधेश्याम गुर्जर

मध्य प्रदेश: नगर निगम द्वारा शहर में डॉग की नसबंदी के लिए 40 लाख रुपए खर्च किये गये. नेता प्रतिपक्ष दीपक मुल्लू राठौर ने इसकी शिकायत को लेकर जन सुनवाई में डॉग को लेकर पहुंचे. आखिर डॉग तो असली नहीं था लेकिन सांकेतिक बनी व्यक्ति ने डॉग का मुखौटा पहना हुआ था, जिसको सुनवाई ने जाने से पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। तीखी बहस के बीच आखिरकार अपर कलेक्टर काशीराम बडोले ने शिकायत सुनी. असल पूरा मामला खंडवा नगर निगम में आवारा कुत्तों की नसबंदी और उनके नियंत्रण को लेकर नेता प्रतिपक्ष दीपक राठौर कलेक्टर की जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप लगाया है कि, पिछले चार वर्षों में आवरों कुत्तों की नसबंदी के नाम पर करीब 40 लाख रुपये खर्च किए जाने के बावजूद संख्या में कमी नहीं आई है।

खंडवा नगर निगम में विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष दीपक राठौर ने आरोप लगाते हुए कहा कि, पिछले चार वर्षों में करीब 13,225 लोग डॉग बाइट का शिकार हुए हैं। इससे शहर के बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और आम नागरिकों में भय का वातावरण बना हुआ है। नसबंदी कार्य में खर्च हुई राशि की वित्तीय एवं तकनीकी जांच कराने, संबंधित टेंडर की पूरी प्रक्रिया, कंपनी की पात्रता, दस्तावेज की जांच की जाए। साथ ही नसबंदी किए गए कुत्तों की वास्तविक संख्या, उनकी पहचान, भुगतान और कार्य की गुणवत्ता का मौके पर भौतिक सत्यापन भी होना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी अपात्र कंपनी को नियमों के विरुद्ध टेंडर दिया गया है तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार कंपनी के खिलाफ एफआईआर एवं कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मामले को लेकर अपर कलेक्टर काशीराम बडोले ने कहा कि, जो शिकायत मिली है उसकी जांच कराएंगे। अगर कोई दोषी होता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

न्यू मोटर मार्केट में हुआ ध्वजारोहण, व्यापारियों ने टोंक में ट्रांसपोर्ट नगर बनाने की उठाई मांग

सहीहुरहमान

राजस्थान: टोंक न्यू मोटर मार्केट टोंक की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यूनियन अध्यक्ष नावेद खान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में निकेश कुमार अग्रवाल, मोहम्मद सरफराज, मेहताब शाहिद, शाहिन खान, मोहम्मद इस्लामुद्दीन, धीरज अग्रवाल, संजय, विजय, मुरारी विजय सहित अन्य सदस्यों ने ध्वजारोहण कर देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान यूनियन अध्यक्ष नावेद खान ने कहा कि न्यू मोटर मार्केट में व्यापारियों और वाहन मालिकों को सरकार की ओर से आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने मार्केट में नल और पेयजल की उचित व्यवस्था कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि वाहनों को खड़ा करने के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से व्यापारियों और वाहन मालिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने टोंक में अलग से ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने की भी मांग उठाई, ताकि वाहन कारोबार से जुड़े लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। नावेद खान ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर बनने से वाहन कारोबार से जुड़े व्यापारियों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। उन्होंने प्रशासन और सरकार से न्यू मोटर मार्केट की समस्याओं का जल्द समाधान करने तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

'तीर्थंकरों की कहानी, आपकी जुबानी' प्रतियोगिता का आयोजन, श्राविकाओं ने दी भावपूर्ण प्रस्तुतियां

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थान: फलोदी पूज्य साध्वी गुरूवर्या सौम्यदर्शना श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में 'तीर्थंकरों की कहानी, आपकी जुबानी' प्रतियोगिता का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जैन धर्म के तीर्थंकरों के जीवन-चरित्र, संदेश, तप एवं साधना से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया। संघ के मीडिया प्रभारी अरुण कोचर ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों के जीवन आदर्शों, सिद्धांतों तथा अहिंसा, सत्य और संयम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और नई पीढ़ी में धार्मिक एवं संस्कारमय भावनाओं का विकास करना था।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी श्राविकाओं ने तीर्थंकरों के जन्म कल्याणक, वैराग्य, दीक्षा और केवलज्ञान से जुड़े प्रसंगों को आत्मविश्वास और धार्मिक निष्ठा के साथ प्रस्तुत किया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रभावित किया और धर्मसभा का वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर गुरूवर्या सौम्यदर्शना श्रीजी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि तीर्थंकरों के चरित्र का केवल स्मरण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके बताए मार्ग को अपने जीवन में उतारना ही सच्ची जिन-भक्ति है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाली विजेता श्राविकाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम के समापन पर प्रभावना वितरित की गई और धर्मसभा जयकारों से गूंज उठी। स्थानीय संघ एवं समाजजनों ने आयोजन को ज्ञानवर्धक और संस्कार प्रेरक बताते हुए इसकी सराहना की।

एक नजर

चौका नदी में डूबने से 12 वर्षीय किशोर की हुई मौत, गांव में मचा कोहराम

श्रवण/उत्तर प्रदेश: थाना क्षेत्र के ग्राम नारायणपुर मजरा बरी में सोमवार को चौका नदी में डूबने से 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, नारायणपुर मजरा बरी निवासी सुमेरी भार्गव का 12 वर्षीय पुत्र श्यामलाल सोमवार को अन्य बच्चों के साथ मवेशी चराने गया था। इसी दौरान कुछ मवेशी चौका नदी के पानी में उतर गए। उन्हें नदी से बाहर निकालने के लिए श्यामलाल भी पानी में उतर गया। बताया जा रहा है कि नदी में तेज बहाव और गहराई का अंदाजा न होने के कारण श्यामलाल अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देखकर साथ मौजूद अन्य बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। बच्चों ने तुरंत गांव पहुंचकर ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में किशोर की तलाश शुरू कर दी। ग्रामीणों ने काफी देर तक नदी में खोजबीन की। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

महोबा में 75 वर्षीय बुजुर्ग की हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

देवेश यादव/उत्तर प्रदेश: महोबा के कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित पस्तोर गली में 75 वर्षीय श्याम सुंदर त्रिपाठी की मौत का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर कोतवाली नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।

पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से एक पत्र मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने पत्र को जांच में शामिल करते हुए मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी नगर रविकांत गोंड ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

कटाव प्रभावित क्षेत्र का विधायक ने किया निरीक्षण, जल्द शुरू होगा कटावरोधी कार्य

मो. फिरोज आलम/बिहार: कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत के वार्ड संख्या-15 स्थित मायामारी में महानंदा नदी के बढ़ते कटाव का मनिहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कटाव प्रभावित इलाकों का जायजा लिया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि महानंदा नदी के लगातार कटाव के कारण खेती योग्य जमीन और रिहायशी इलाके खतरे में हैं। हर वर्ष नदी की तेज धारा से कई परिवारों के घर और खेत प्रभावित हो रहे हैं, जिससे लोगों के सामने विस्थापन का संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द कटावरोधी कार्य शुरू कराने की मांग की। विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मोहम्मद आलम के घर के समीप पश्चिम बंगाल सीमा से गोविंदपुर तक कटावरोधी कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है और संबंधित विभाग के माध्यम से आवश्यक प्रक्रिया तेज की जा रही है, ताकि ग्रामीणों को जल्द राहत मिल सके। विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों में उम्मीद जगी है। लोगों ने कहा कि कटावरोधी कार्य शुरू होने से उनके घर, खेत और भविष्य को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी। इस दौरान वार्ड पार्षद मोहम्मद मोहसिन, आदित्य सिंह उर्फ छोटू, आरिफ हुसैन, शहाबुद्दीन, निरंजन यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

घोड़ाखेड़ा में जलभराव से स्कूल जाने का रास्ता बंद, ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

केलाश अमलियार

मध्य प्रदेश: रतलाम बाजना जिले के बाजना क्षेत्र के घोड़ाखेड़ा गांव में बारिश के बाद रास्ते पर जलभराव होने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव से स्कूल की ओर जाने वाले रास्ते पर नाले का पानी भर गया है, जिसके कारण बच्चों का स्कूल तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द रास्ते की समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, मकनपुर और घोड़ाखेड़ा के बीच आने-जाने वाले मार्ग पर बारिश का पानी जमा हो गया है। कई स्थानों पर रास्ते की स्थिति इतनी खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे

बच्चों को हो रही है, जिन्हें इसी रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ता है। जलभराव के कारण बच्चों के फिसलने और किसी अप्रिय घटना की आशंका भी बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने समस्या को लेकर संबंधित जनप्रतिनिधियों और पंचायत स्तर के अधिकारियों को कई बार जानकारी दी। घोड़ाखेड़ा पंचायत के सरपंच लक्ष्मण मुनिया से भी रास्ते की समस्या को लेकर संपर्क किया गया, लेकिन ग्रामीणों के मुताबिक अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने हेल्पलाइन के माध्यम से भोपाल स्तर पर भी शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि शिकायत करने के बाद उन्हें शिकायत वापस लेने के लिए दबाव और धमकी दिए जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने इस मामले में निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग भी की है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि घोड़ाखेड़ा क्षेत्र में जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए सुरक्षित रास्ते की व्यवस्था की जाए। उनका कहना है कि जब तक पानी की निकासी और सड़क की व्यवस्था नहीं होती, तब तक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती रहेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से नाले की सफाई, जल निकासी की उचित व्यवस्था और रास्ते को दुरुस्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समस्या का जल्द समाधान होने से गांव के लोगों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र से आने-जाने वाले लोगों को भी राहत मिलेगी।

शाहजहांपुर पहुंचे धर्मगुरु सचिन रावण, वाल्मीकि समाज ने किया भव्य स्वागत और सम्मान

अनिल

हरियाणा: वाल्मीकि धर्म समाज (वाधस) रजि. भारत के संस्थापक एवं धर्मगुरु सचिन रावण जी, जालंधर से शहीदों की नगरी शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश आगमन पर वाल्मीकि समाज के विभिन्न संगठनों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने मिलकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रमुख संगम कुमार वाल्मीकि जी ने सिरोपा पहनाकर तथा श्याम बाबू जी ने महामानव बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में एडवोकेट मुरारीलाल भास्कर जी, उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अजय प्रधान जी, नामित पार्षद रामनिवास जी, समाजसेवक शालू जी, सफाई यूनियन जिलाध्यक्ष दिनेश उर्फ राजा भैया जी, पश्र्ढ जिलाध्यक्ष सचिन कुमार वाल्मीकि जी, रवि यादव जी, पुवायां विधानसभा अध्यक्ष मुकेश कुमार वाल्मीकि जी सहित अन्य सामाजिक साथी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी साथियों ने समाज की एकता, सामाजिक न्याय, शिक्षा, अधिकार एवं सम्मान से जुड़े महत्वपूर्ण विचारों पर प्रकाश डाला और समाज को संगठित होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

अमृतसर में सीमा पार ड्रग्स और हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

कुलविंदर सिंह

पंजाब: एक बड़ी सफलता में, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो प्रमुख सीमा पार नशीली दवाओं और अवैध हथियारों की आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 7 अवैध पिस्तौल और 2,030 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हथियार मामले के आरोपी विदेशी तस्करों के संपर्क में थे और अमृतसर और तरनतारन में आगे की आपूर्ति के लिए अवैध हथियार खरीद रहे थे। विदेशी तस्करों के साथ उनके संबंधों की पुष्टि करने और पूरे आपूर्ति नेटवर्क को उजागर करने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन और सुल्तानविंड पुलिस स्टेशन, अमृतसर में दो एफआईआर।

रिकार्ड किया गया है. नेटवर्क के बैक-टू-बैक लिंक का पता लगाने, सीमा पार संचालकों से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और तस्करी नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करने के लिए आगे की जांच चल रही है। पंजाब पुलिस सीमा पार नशीली दवाओं और अवैध हथियारों के नेटवर्क को खत्म करने और एक सुरक्षित और नशा मुक्त पंजाब सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क की बदहाली पर हाईवे जाम, मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी, दाल मिलों के भारी वाहनों पर जांच शुरू

देवेश यादव

उत्तर प्रदेश: महोबा सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम रैपुरा में खराब सड़क, गड्ढों और जलभराव की समस्या को लेकर ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों द्वारा झांसी-मिजार्पुर (कुलपहाड़-महोबा) हाईवे जाम किए जाने के मामले का पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लिया।

घटना के अगले दिन कप्तान एवं संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया।अधिकारियों ने ग्राम रैपुरा के प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों से संवाद किया। इस दौरान बच्चों को समझाया गया कि गांव अथवा क्षेत्र की किसी भी समस्या के समाधान के लिए शिक्षक,

अभिभावक और संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाना चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि सड़क पर जाम लगाने से एंबुलेंस, मरीजों और आम नागरिकों के आवागमन में परेशानी उत्पन्न होती है, इसलिए समस्याओं के समाधान के लिए शांतिपूर्ण एवं वैधानिक तरीके अपनाए जाने चाहिए।

मौके पर सड़क का निरीक्षण करने पर अधिकारियों ने पाया कि दाल मिलों में आने-जाने वाले भारी वाहनों के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। बताया गया कि जिला पंचायत द्वारा करीब पांच वर्ष पहले हल्के वाहनों के आवागमन के भार को ध्यान में रखते हुए सड़क का निर्माण कराया गया था। हालांकि, दाल मिलों के भारी वाहनों की आवाजाही के चलते सड़क की स्थिति खराब हो गई, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार दाल मिलों से संबंधित सभी आवश्यक प्रपत्रों की जांच कराई जा रही है। वहीं, जिला पंचायत की ओर से सड़क की मरम्मत और आवश्यक कार्य भी कराया जा रहा है। प्रशासन ने ग्रामीणों की समस्या के समाधान का भरोसा दिलाते हुए स्थिति पर निगरानी बनाए रखने की बात कही है।

सहारनपुर एसएसपी ने जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर पुलिस कार्यालय, सहारनपुर में बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह ने जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे आमजन की समस्याएं और शिकायतें गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनीं। जनसुनवाई के दौरान एसएसपी ने फरियादियों से उनकी समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और फरियादियों को उनकी समस्याओं का त्वरित एवं न्यायसंगत समाधान उपलब्ध कराया जाए।

इस दौरान आमजन को आश्वस्त किया गया कि सहारनपुर पुलिस उनकी सुरक्षा, सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। एसएसपी ने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से शिकायतों पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई कर उनका समाधान कराना पुलिस की प्राथमिकता है। सहारनपुर पुलिस की ओर से आमजन को संदेश दिया गया कि त्वरित समाधान, पारदर्शी कार्रवाई और निष्पक्ष न्याय, आपकी समस्या हमारी जिम्मेदारी है।

खराब सड़क-जलभराव से परेशान स्कूली बच्चों ने हाईवे किया जाम, पुलिस ने की बदसलूकी

राजपूत रंजीत

उत्तर प्रदेशः महोबा जिले में बुधवार को स्कूली बच्चों के प्रदर्शन का मामला सामने आया। रैपुरा कलां गांव के बच्चों ने खराब सड़क और जलभराव की समस्या से परेशान होकर झांसी-मिजार्पुर हाईवे पर जाम लगा दिया। बारिश के बीच करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बच्चों का आरोप है कि गांव में खराब रास्ते और जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उनका कहना है कि मिल संचालकों की कथित दबंगई और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण उन्हें अपनी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरना पड़ा।

प्रदर्शन के दौरान बच्चों ने हाईवे पर बैठकर आवागमन रोक दिया। लगातार बारिश के बावजूद वे अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते रहे। जाम के कारण हाईवे पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और दोनों तरफ बड़ी संख्या में वाहन फंस गए। मामले में पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठे हैं। आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे बच्चों के साथ बदसलूकी की और कुछ बच्चों को कथित तौर पर घसीटकर वहां से हटाया, ताकि हाईवे पर यातायात बहाल कराया जा सके।

बच्चों के प्रदर्शन और पुलिस की कथित कार्रवाई का मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर हलचल बढ़ गई है। मामले को लेकर प्रशासन की भूमिका और पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की ओर से लगाए गए आरोपों पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

बदहाल सड़क से परेशान छात्र-छात्राओं का फूटा गुस्सा, झांसी-मिजार्पुर हाईवे पर 3 घंटे लगाया जाम

रानू

उत्तर प्रदेशः महोबा बदहाल सड़क से परेशान छात्र-छात्राओं ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर बुधवार को झांसी-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग-339 पर जाम लगा दिया। लगातार हो रही बारिश के बावजूद छात्र-छात्राएं सड़क निर्माण की मांग को लेकर हाईवे पर डटे रहे आपको बता दी कि रैपुरा कला से मझलवारा गांव की सड़क गड्ढों में तब्दील है जिससे स्कूल जाने वाले छात्र छात्राओं और मुख्यालय तक जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना कराना पड़ता है,खराब सड़क होने के कारण कई बार वाहन पलट जाते हैं, जिससे छात्र छात्राएं चोटिल हो जाती है तथा लोगों को आपातकालीन सेवा समय से मुहिया नहीं हो पाती है ,जिसकी शिकायत ग्राम के जागरूक और सामाजसेवियो द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल IGRS पर कई बार कि गयी पर वही लोक निर्माण विभाग महोबा द्वारा फर्जी आख्या लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया और लगातार 6 माह से जेई कहते आ रहे हैं कि 4-6 दिन में करा देंगे अगर लोक निर्माण विभाग और जिम्मेदारो समय रहते तब्बजो दिया होता तो आज इन छात्र छात्राओं को सड़क पर न आना पड़ता।

करीब तीन घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहने से यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र-छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि मौके पर पहुंचे एसएचओ ने छात्र-छात्राओं को हड़काते हुए जाम खुलवा दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद छात्र-छात्राओं में नाराजगी देखने को मिली प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि लंबे समय से बदहाल सड़क के कारण उन्हें स्कूल आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। अब देखना होगा कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं की आवाज पर जिम्मेदार अधिकारी कब तक संज्ञान लेते हैं।

डिग्गी लक्खी मेले को लेकर प्रशासन हुआ अलर्ट, अनुमति प्रक्रिया पर पदयात्रा संघ ने उठाए सवाल

सहीहुरहमान

राजस्थानः विश्व प्रसिद्ध डिग्गी श्री कल्याणजी मंदिर में लक्खी मेले को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। सावन माह में बड़ी संख्या में पदयात्री और श्रद्धालु डिग्गी पहुंच रहे हैं। सुरक्षा, यातायात, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। जलदाय एवं भूजल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने भी

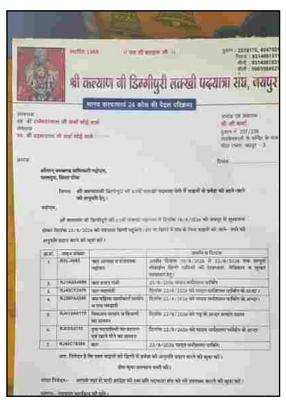

श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए हैं। इधर, श्री कल्याण डिग्गीपुरी लक्खी पदयात्रा संघ ने बाहरी पदयात्राओं की अनुमति और वाहन पास जारी करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। संघ का आरोप है कि 4-5 वाहनों के पास बनवाने के लिए आयोजकों को जयपुर से मालपुरा के कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

संघ ने मालपुरा एसडीएम कार्यालय में शिक्षक दिनेश कुमार विजय को डेपुटेशन पर लगाए जाने पर भी सवाल उठाया है। संघ का कहना है कि शिक्षक का मूल कार्य विद्यालय में है और उसे प्रशासनिक कार्य में लगाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। वहीं, 61वीं लक्खी पदयात्रा 18 अगस्त को जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर से रवाना होगी और 22 अगस्त को डिग्गी पहुंचेगी। संघ ने प्रशासन से अनुमति प्रक्रिया सरल करने और डेपुटेशन व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की है।

पंजाब पुलिस में जेंडर सेंसिटिव पुलिसिंग को मिला बढ़ावा, डीजीपी ने प्रशिक्षण के तीसरे चरण का किया शुभारंभ

कुलविंदर सिंह

पंजाबः पंजाब के डीजीपी ने 134 साल पुराने प्रमुख पुलिस प्रशिक्षण केंद्र महाराजा रणजीत सिंह पंजाब पुलिस अकादमी, फिल्लौर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लिंग संवेदीकरण परियोजना पंजाब पुलिस में महिलाओं की मुख्यधारा के तहत तीसरे चरण के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को जेंडर सेंसिटिव, अधिकार आधारित और पीड़ित-केंद्रित

पुलिसिंग के लिए आवश्यक कौशल और समझ प्रदान करना है। तीन चरणों में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण के माध्यम से करीब 1,500 से 2,000 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें महिलाओं, बच्चों और अन्य कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने पंजाब पुलिस सांझ मंच पर रक्षा मंत्रालय के सत्यापन के लिए ऑनलाइन डिजिटल पोर्टल भी लॉन्च किया। प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनरों की टीम, मानकीकृत प्रशिक्षण मॉड्यूल और सामुदायिक मामलों के प्रभाग (उअऊ), हरटेक फाउंडेशन तथा ख-ढअछ दक्षिण एशिया की तकनीकी सहायता ली जा रही है। इसका उद्देश्य जेंडर संवेदनशीलता और पीड़ित-केंद्रित पुलिसिंग के सिद्धांतों को रोजमर्रा की पुलिस व्यवस्था का हिस्सा बनाना है। पंजाब पुलिस ने कहा कि जन-केंद्रित पुलिस बल को संवेदनशील, समावेशी और जवाबदेह होना जरूरी है। पुलिस विभाग ने प्रत्येक नागरिक के लिए सम्मान, करुणा और न्याय सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमृतसर ग्रामीण पुलिस की बड़ी कामयाबी, 690 ग्राम आईईडी बरामद कर टाली आतंकी साजिश

कुलविंदर सिंह

पंजाबः अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक पुलिस संगठन को निशाना बनाने की कथित आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 690 ग्राम इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के साथ इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, बैटरी, टाइमर और लोहे का बक्सा बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, बरामद विस्फोटक सामग्री को निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित तरीके से कब्जे में लिया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने कार्रवाई करते हुए आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। समय रहते की

गई इस कार्रवाई से सार्वजनिक सुरक्षा के लिए पैदा हो सकने वाले संभावित खतरे को टाल दिया गया।

प्रारंभिक कार्रवाई के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाने में कानून की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। अब जांच एजेंसियां इस साजिश के पीछे शामिल लोगों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी हैं। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विस्फोटक सामग्री कहां से लाई गई थी और इसके पीछे किस नेटवर्क की भूमिका थी। अमृतसर ग्रामीण पुलिस की इस कार्रवाई को आतंकवादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पंजाब पुलिस ने दोहराया है कि आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने, संगठित अपराध पर अंकुश लगाने और प्रदेश में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

नशे के खिलाफ पंचकूला पुलिस का एक्शन, इंदिरा कॉलोनी में स्निफर डॉग के साथ की गई सघन चेकिंग

राजपूत रंजीत

हरियाणाः पंचकूला पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा जिला में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा नशे की रोकथाम के उद्देश्य से समय समय पर चिन्हित स्थानों पर लगातार कॉम्बिंग की जा रही है। आज सेक्टर- 16 चौकी टीम ने इंचार्ज सिंहराज की अगुवाई में स्निफर डॉग के साथ इंदिरा कॉलोनी में व्यापक स्तर पर कॉम्बिंग की। अभियान के दौरान गलियों , दुकानों, खुले स्थानों, खाली प्लॉटों, झाड़ियों, संदिग्ध ठिकानों तथा संवेदनशील बिंदुओं पर गहन तलाशी ली गई। डीसीपी पंचकूला आईपीएस अदिति सिंह के अनुसार कॉम्बिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान व सत्यापन किया गया तथा क्षेत्र में

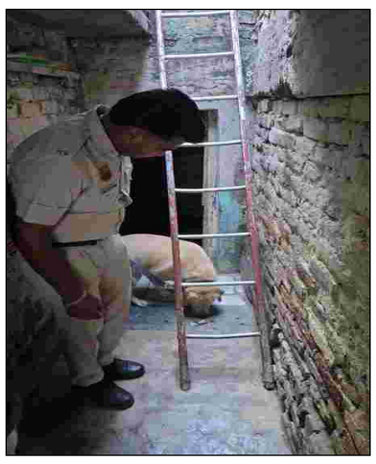

आने-जाने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी गई।

अभियान के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी, बिक्री एवं सेवन से जुड़े संभावित ठिकानों की विशेष रूप से जांच की गई। स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्पष्ट संदेश दिया गया कि नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील की गई कि नशे की अवैध गतिविधियों की सूचना बिना किसी भय के पंचकूला पुलिस के ड्रग इन्फो हेल्पलाइन नंबर 7087081100 / 7087081048 पर पुलिस को दें, बताने वाले की जानकारी गुप्त रखी जाएगी।

24 घंटे बंद रहेंगे सभी CNG पंप, डीलरों ने कमीशन बढ़ाने समेत मांगों को लेकर लिया फैसला

भारमलभाई नरसिंगभाई लुहार

गुजरातः बनासकांठा वाव थराद बनासकांठा जिले के वाव थराद क्षेत्र में CNG उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। CNG डीलर एसोसिएशन ने बुधवार को क्षेत्र के सभी CNG पंप 24 घंटे के लिए बंद रखने का निर्णय लिया है। डीलरों के कमीशन सहित विभिन्न लंबित मांगों का अभी तक समाधान नहीं होने के कारण यह फैसला लिया गया है। जानकारी के अनुसार, CNG डीलर लंबे समय से अपने कमीशन में उचित बढ़ोतरी और अन्य समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं। एसोसिएशन का कहना है कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद अब तक उनकी समस्याओं का संतोषजनक समाधान नहीं किया गया है।

डीलर एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि बुधवार तक उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले समय में अनिश्चितकाल के लिए CNG पंप बंद करने का निर्णय भी लिया जा सकता है। वाव थराद क्षेत्र में सभी CNG पंपों के बंद रहने से CNG से चलने वाले ऑटो, टैक्सी, कार और अन्य वाहनों के चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खासकर रोजाना लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों पर इसका सीधा असर पड़ने की संभावना है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि CNG डीलरों की मांगों को लेकर संबंधित विभाग और कंपनियां क्या कदम उठाती हैं और इस विवाद का समाधान कब तक होता है।

गुरु हरिकृष्ण संस्थान में 6 करोड़ की लागत से कैथ लैब शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरुद्वारा बाला साहिब परिसर स्थित गुरु हरिकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 6 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक कैथ लैब शुरू की है। इसके साथ ही संस्थान में हृदय रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध हो गई है। कैथ लैब का शुभारंभ कार सेवा वाले बाबा बचन सिंह ने किया। इससे पहले अरदास कर गुरु साहिब का शुक्राना किया गया। कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि कैथ लैब में उच्च स्तरीय मशीन स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि मशीन की स्थापना में आदित्य बिड़ला समूह की हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सहयोग दिया है। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. विनोद वर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि कैथ लैब शुरू होने से हृदय रोगियों को बाजार की तुलना में कम दरों पर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। संस्थान में पहले से मुफ्त डायलिसिस, बिना शुल्क बाह्य रोगी विभाग, लगभग निःशुल्क एमआरआई और सीटी स्कैन सहित कई स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त

अंडर 20 रेसलिंग चैंपियनशिप : काजल बनीं वर्ल्ड चैंपियन

स्लोवाकिया, एजेंसी। भारतीय महिला रेसलर काजल ढोचक ने ग्लोबल स्टेज पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्लोवाकिया में अंडर 20 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में 76 किलोग्राम कैटेगरी में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। काजल की इस ऐतिहासिक जीत के साथ-साथ महिला रेसलिंग के रोमांचक दिन में भारत ने तनु शर्मा और सविता के जरिए दो अहम सिल्वर मेडल भी जीते। 18 साल की काजल ने 76 किलोग्राम चैंपियनशिप मुकाबले में हिस्सा लिया। उन्होंने चीन की जिंगरू सन के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए 7-0 से (वीपीओ) जीत हासिल की और विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत ने भारत की सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों में से एक के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत किया है। काजल के शानदार रिकॉर्ड में पहले से ही 2024 अंडर 17 वर्ल्ड चैंपियनशिप (69 किलोग्राम) और 2025 अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप (72 किलोग्राम) के टाइटल शामिल हैं।

विमेंस डीपीएल: निशिका-तनीषा ने जड़े अर्धशतक

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के शुरुआती मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली क्वींस के खिलाफ 29 रन से बड़ी जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 156 रन बनाए। प्रिया पुनिया ने निशिका सिंह के साथ पहले विकेट के लिए 28 गेंदों में 31 रन की साझेदारी की। प्रिया 15 गेंदों में 3 चौकों के साथ 16 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद टीम ने 33 के स्कोर पर तनिष्का सिंह (0) का भी विकेट गंवा दिया।

सौरव की नाबाद अर्धशतकीय पारी से बरपेटा ब्रेव्स फाइनल में

गुवाहाटी, एजेंसी। सौरव मौसुम दिहिंगिया की नाबाद 63 रनों की शानदार पारी की बदौलत बरपेटा ब्रेव्स ने शुक्रवार को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में डिब्रूगढ़ वॉरियर्स को पांच विकेट से हराकर इम्पीरियल ब्लू पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर असम प्रीमियर लीग के फाइनल में जगह बना ली। 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बरपेटा ब्रेव्स ने 19.1 ओवर में पांच विकेट पर 137 रन बनाकर जीत हासिल की। सौरव ने 53 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। उनका साथ अभिलाष मौर्य ने दिया, जिन्होंने 29 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 37 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 74 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इससे पहले डिब्रूगढ़ वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 134 रन बनाए। आयुष अग्रवाल 29 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे।

शान्तो को उम्मीद, दूसरे टेस्ट के लिए फिट हो जाएंगे तंजीद-मुशफिकुर

मैके, एजेंसी। बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैके में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले ओपनिंग बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम और अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम के फिटनेस टेस्ट के नतीजे का इंतजार है। कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो को उम्मीद है कि दोनों को मेडिकल टीम से मंजूरी मिल जाएगी, लेकिन तंजीद के बारे में आखिरी फैसला लेने से पहले उन्हें इंतजार करना होगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज तंजीद ने डार्विन में पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाया था, लेकिन गर्दन में अकड़न के कारण गुरुवार को मैके में बैटिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले पाए, जिससे दूसरे मैच में उनके खेलने पर संदेह पैदा हो गया था।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को बुरी तरह रौंदा

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को एक पारी और 103 रनों से हराया

- पाकिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा
- पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में 135 पर सिमटी

लीड्स, एजेंसी।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच में शर्मनाक शिकस्त दी है। लीड्स में खेले गए पहले मैच में इंग्लैंड की टीम ने पाकिस्तान को एक पारी और 103 रनों से हराया है। लीड्स में लगातार दूसरी बार पाकिस्तान की टीम पारी के अंतर से हारी है। इससे पहले 2018 में पाकिस्तान को इंग्लैंड ने एक पारी और 55 रनों से मात दी थी। पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में 135 रन ही बना सकी। पाकिस्तानी बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि करीब तीन दिन तक चले मुकाबले में पाकिस्तान की टीम दो बार ऑलआउट हुई है।

पाकिस्तान के लिए दूसरी पारी में मोहम्मद रिजवान ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से ओली रॉबिन्शन और जोश टंग सबसे सफल गेंदबाज रहे।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। दोनों पारियों में टीम के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। दूसरी पारी में पाकिस्तान के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। पाकिस्तान को दूसरे ही ओवर में इमाम उल हक के रूप में पहला झटका लगा। वह खाता भी नहीं खोल सके। जोफ्रा आर्चर ने पाकिस्तान को पहला झटका दिया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अजान अवैस भी ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं सके और 14 गेंद में 9 रन बनाकर जोफ्रा का शिकार बने।

पिछली पारी में अर्धशतक लगाने वाले स्टार बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक दूसरी पारी में 29 गेंद में 15 रन ही बना सके। सऊद शकील ने 24 गेंद में 14 और शान मसूद 56 गेंद में 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान सलमान अली आगा 8 गेंद में 4 रन ही बना पाए। अली उसमान ने 7 और खुर्रम शहजाद ने आठ रन बनाए।

जो रूट ने स्टीव स्मिथ का रिकॉर्ड तोड़ा

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को टेस्ट में सर्वाधिक कैच लेने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। रूट ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान पाकिस्तानी सालमी बल्लेबाज अजान अवैस का कैच लपका। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने नौ के स्कोर पर आउट किया। इसके साथ ही जो रूट के टेस्ट में 219 कैच हो गए हैं, जबकि स्टीव स्मिथ के नाम 218 कैच हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 210 कैच लिए हैं। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने ने 205 और जैक कैलिस ने 200 कैच लपके हैं।

पहली पारी में जोश टंग (5-46) और ओली रॉबिन्सन (5-51) की शानदार गेंदबाजी के आगे पाकिस्तान ने 171 रन पर अपने सभी 10 विकेट गंवा दिए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 89.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 409 रन बनाए। इंग्लैंड ने 238 रनों की बढ़त हासिल की। पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में 135 रन ही बना पाई और मैच एक पारी और 103 रनों से गंवा दिया।

रूट ने सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी की

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने गुरुवार को महान सचिन तेंदुलकर के टेस्ट में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। उन्होंने लीड्स में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 68वीं टेस्ट फिफ्टी लगाई। उन्होंने अपनी पारी में 112 गेंदों का सामना करते हुए 66 रन की पारी खेली। उन्होंने 10 बाउंड्री लगाई। जो रूट ने बतौर कप्तान 42वां टेस्ट अर्धशतक लगाया है। वह इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। ग्रीम स्मिथ ने बतौर कप्तान टेस्ट में 61 अर्धशतक लगाए हैं।

चार महीने बाद कोर्ट पर लौटेंगे कार्लोस अल्कराज

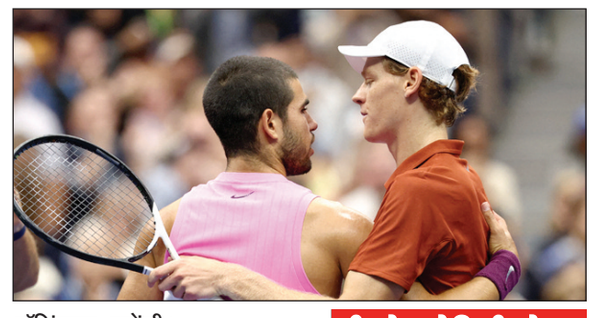

वॉशिंगटन, एजेंसी।

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज चार महीने के चोटिल ब्रेक के बाद 30 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन से टेनिस कोर्ट में वापसी करेंगे। फिलहाल कलाई की चोट के कारण अल्कराज अप्रैल से कोर्ट से दूर हैं।

अल्कराज ने 14 अप्रैल के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। चोट के कारण वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। अब उनकी नजर अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने पर है। अल्कराज ने ट्रांसफर पत्रकार फैब्रिजियो रोमानो के साथ साझा सोशल मीडिया पोस्ट में "हियर वी गो!" लिखकर अमेरिकी ओपन में अपनी वापसी की पुष्टि की। पोस्ट में अमेरिकी ध्वज और विमान का संकेत भी शामिल था।

तीसरे अमेरिकी ओपन खिताब पर नजर

अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान चोटिल होने के बाद अल्कराज की जगह जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, जैनिक सिनर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में अल्काराज को हराकर शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। अल्कराज अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने 2025 के फाइनल में सिनर को चार सेटों में हराकर अपना दूसरा अमेरिकी ओपन खिताब जीता था। अब वह तीसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतरेंगे।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में जालंधर वॉरियर्स हर चुनौती के लिए तैयार: प्रभसिमरन सिंह

चंडीगढ़, एजेंसी।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का पहला संस्करण 30 अगस्त से चंडीगढ़ के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में शुरू होने वाला है। जालंधर वॉरियर्स के कप्तान प्रभसिमरन सिंह टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उनका मानना है कि लीग के लिए उनकी टीम अच्छी बनी है और चुनौती के लिए तैयार है।

प्रभसिमरन ने कहा, "मैं शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में जालंधर वॉरियर्स का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। हमने नीलामी में एक अच्छी टीम चुनी है। सभी खिलाड़ी अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हर कोई अतिरिक्त मेहनत कर रहा है। हम टूर्नामेंट शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने लीग की अहमियत पर कहा, "यह युवाओं के लिए एक बहुत अच्छा मंच है। उन्हें आईपीएल और भारत के खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलेगा। वे उनके अनुभव से सीख सकते हैं। पेशेवर क्रिकेट की जरूरतों को समझ सकते हैं और अपने खेल को बेहतर बना सकते हैं। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुत आत्मविश्वास मिलता है।

प्रभसिमरन का यह भी मानना है कि फैन्स का सपोर्ट टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ा देगा। पंजाब के क्रिकेट फैन्स अपने पैशन के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उन्हें उम्मीद है कि लीग के दौरान स्टैंड भरे रहेंगे।

उन्होंने कहा, "मैं सभी फैन्स से अनुरोध करूंगा कि वे बड़ी संख्या में आएं और अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों का समर्थन करें। समर्थन से हमें बहुत ऊर्जा मिलती है। हम सच में उनके सामने खेलने के लिए उत्सुक हैं।

हशन तिलकरत्ने बने श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट ने पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज हशन तिलकरत्ने को सीनियर पुरुष टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी और 31 दिसंबर, 2027 तक जारी रहेगी।

59 वर्षीय तिलकरत्ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ श्रीलंका क्रिकेट के राष्ट्रीय उच्च प्रदर्शन केंद्र में काम करेंगे। उन्हें कोचिंग का लंबा अनुभव है। वह इससे पहले श्रीलंका की पुरुष राष्ट्रीय टीम के बल्लेबाजी कोच और महिला टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अलावा वह बांग्लादेश महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं।

यूएस ओपन 2026 : प्राइज मनी में भारी वृद्धि

एकल विजेता को मिलेगी इतनी बड़ी राशि

नई दिल्ली, एजेंसी।

ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा प्राइज मनी बढ़ाने की मांग लंबे समय से चल रही है। यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों की ये मांग पूरी होने वाली है। यूएस ओपन में इस बार खिलाड़ियों के प्राइज मनी में इजाफा होने वाला है।

यूएस ओपन की प्राइज मनी में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खिलाड़ियों की कुल सैलरी बढ़कर 108 मिलियन डॉलर हो गई है। टूर्नामेंट से पहले, यूएसटीए (यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन) ने एक बयान जारी कर इसकी घोषणा की।

यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली ने कहा कि यह कदम खेल के आगे बढ़ने के लिए जरूरी हो सकता है। यह एथलीटों में कई सालों के निवेश में एक अहम पहला कदम है क्योंकि यूएस ओपन खिलाड़ियों के लिए सबसे अच्छा आर्थिक मौका और खिलाड़ियों, फैंस और पार्टनर्स के लिए टेनिस में सबसे कीमती प्लेटफॉर्म बना हुआ है। एकल विजेता को 52.65 करोड़ मिलेंगे। वहीं, एकल फाइनल में हारने वाले खिलाड़ी को करीब 26.80 करोड़ रुपये (2.8 मिलियन) दिए जाएंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को लगभग 7.46 करोड़ रुपये (780,000) और सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले प्लेयर्स को करीब 13.88 करोड़ रुपये (1.45 मिलियन) मिलेंगे।

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज की तारीखों में बदलाव चाहता है एसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज की तारीखों में बदलाव करने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से बातचीत कर रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार, सीरीज के तीनों टी20 मुकाबले नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में क्रमशः 13, 15 और 17 सितंबर को खेले जाने हैं। हालांकि, एसीबी इन मैचों को क्रमशः 11, 13 और 14 सितंबर को कराने पर विचार कर रहा है। यह कदम स्टेडियम में दर्शकों की संख्या और टीवी पर मैच देखने वालों की संख्या बढ़ाने के मकसद से उठाया जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी है।

अफगानिस्तान पुरुषों की द्विपक्षीय टी20 इंटरनेशनल सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। हालांकि, इस बार मैच का स्थान भारत की राजधानी दिल्ली है। आईटीडब्ल्यू यूनिवर्स के सह-संस्थापक भैरव शांत ने शुक्रवार को बताया, "एसीबी ने यह प्रस्ताव रखा है और बीसीसीआई के साथ बातचीत कर रहा है। हमें सोमवार तक औपचारिक मंजूरी मिल जानी चाहिए।

एसीए के चैंपियन को मिलेंगे 50 लाख रुपए

जानिए रनर-अप पर बरसेगी कितनी प्राइज मनी?

गुवाहाटी, एजेंसी।

असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के सचिव सनातन दास ने गुरुवार को उद्घाटन असम प्रीमियर लीग (एपीएल) में प्राइज मनी की घोषणा की है, जिसके तहत विजेता टीम को 50 लाख रुपए, जबकि उपविजेता टीम को 25 लाख रुपए दिए जाएंगे।

इनाम की यह घोषणा ऐसे समय में एक बड़ा आर्थिक प्रोत्साहन देती है जब राज्य का प्रमुख टी20 टूर्नामेंट अपने निर्णायक नॉकआउट चरण में प्रवेश कर रहा है। कड़े मुकाबले वाले लीग चरण के बाद गुवाहाटी रॉयल्स, डिब्रूगढ़ वॉरियर्स, बराक लीजेंड्स और बारपेटा ब्रेव्स शीर्ष चार टीमों के रूप में उभरी हैं और शुक्रवार को सेमीफाइनल में मुकाबला करेंगी।

जोरहाट स्टैलियंस, तेजपुर टाइटंस, नागांव रेंजर्स और चराइदेव सनराइजर्स नॉकआउट चरण में प्रवेश करने में विफल रहने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। अब दो विजेता टीमें 23 अगस्त को होने वाले फाइनल में पहले खिताब के लिए भिड़ेंगी।

एसीए की तरफ से आयोजित इस टूर्नामेंट में आठ फ्रेंचाइजी 23 दिनों के शेड्यूल में 43 मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। फॉर्मेट के अनुसार, लीग चरण के दौरान प्रत्येक टीम का सामना दूसरी टीम से एक बार होता है, जिसमें प्रमुख आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्काउट्स होनहार खिलाड़ियों पर नजर रखते हैं जिन्हें वे इस साल के अंत में होने वाली नीलामी के जरिए चुन सकते हैं। इस क्षेत्र के उभरते हुए खिलाड़ियों को एक हाई-प्रोफाइल मंच प्रदान करने और असम के व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट और आयु-वर्ग की टीमों के लिए प्रतिभा पूल को व्यापक बनाने के लिए डिजाइन की गई यह लीग शनिवार को एक दिन के ब्रेक के बाद रविवार को बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में अपने पहले चैंपियन का ताज पहनाएगी।

असम के पूर्व सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी कप्तान डेनिश दास और विकेटकीपर-बल्लेबाज सुमित घडिगांवकर और शिबशंकर रॉय जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के मुख्य आकर्षण रहे हैं।

जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने में पटियाला हाउस कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक मामले में बड़ी राहत दी है। 2004 के इस मामले में कोर्ट ने मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

पूर्व क्रिकेटर पर फर्जी यूके आव्रजन स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़ा आरोप लगाया गया था, जिसे साबित नहीं किया जा सका। अदालत को वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं मिला। कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था। बाद में उनका नाम मामले में जोड़ दिया गया। घटना के बारे में मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए। वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था। वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। किसी के जरिए उसने वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली।

टेस्ट सीरीज | **श्रीलंका की सलामी जोड़ी फ्लॉप , टॉप ऑर्डर में एक समस्या है : रसेल अर्नोल्ड**

पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका की ओपनिंग पार्टनरशिप सबसे खराब रही है: रसेल अर्नोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।

श्रीलंका को भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच मे 165 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड मानते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका की ओपनिंग पार्टनरशिप सबसे खराब रही है। इसके अलावा, उन्होंने देवदत्त पड्डिकल और मानव सुथार के प्रदर्शन को भी सराहा है।

गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट में देवदत्त पडिक्कल ने 167 और 44 रन की पारियां खेलीं। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के जरिए हुई वर्चुअल बातचीत में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड ने कहा, "पडिक्कल शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वो जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। वह अपनी ताकत का बहुत अच्छे से इस्तेमाल करते हैं, जैसे कि उनकी पहुंच और पैरों का इस्तेमाल। धीमी पिच पर खेलना असल में एक कला है। यह आसान लग सकता है, लेकिन हर कोई रन नहीं बना पाता, जैसा कि आपने पूरे टेस्ट मैच में देखा होगा। बाकी सभी को संघर्ष करना पड़ा, ज्यादातर खिलाड़ियों को परेशानी हुई। वह आत्मविश्वास में हैं और सभी फॉर्मेट में अच्छा खेल रहे हैं। उन्होंने शानदार क्लास और क्वालिटी दिखाई है और भारत उनसे काफी उम्मीद कर सकता है।

मानव सुथार ने पहले टेस्ट में शानदार ऑलराउंडर खेल दिखाया। उन्होंने 24 और 9 रन बनाने के साथ मैच में कुल 10 विकेट चटकाए। अर्नोल्ड ने इस खिलाड़ी की तारीफ में कहा, "सादगी और सब्र ही मानव सुथार की असल ताकत है। श्रीलंकाई पिचों पर हम अक्सर कहते हैं कि वहां नेचुरल वेरिएशन मिलते हैं और कुछ स्पिनर्स के पास बहुत स्किल होती है, जैसे मुरली या वॉर्न, लेकिन जिन दूसरे खिलाड़ियों ने अच्छा किया है, उन्होंने सादगी और सब्र से काम लिया है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण रंगना हेराथ हैं। सुथार भी बिल्कुल वैसा ही कर रहे थे। वह पिच पर आकर अपनी पेस और बॉल रिलीज करने के तरीके में बदलाव कर रहे थे, लेकिन सब कुछ सही जगह पर था। उन दोनों की यही अच्छी बात थी। सुथार का सब्र ही उन्हें आगे ले गया और इसे बनाए रखना मुश्किल होता है।"

सीरीज के शुरुआती मुकाबले में श्रीलंका की सलामी जोड़ी फ्लॉप रही। श्रीलंका को पहली पारी में 'शून्य' के स्कोर पर पहला झटका लगा। इसके बाद अगली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज निशान मदुष्का और लाहिरू उदारा के बीच सिर्फ 13 रन की साझेदारी हो सकी। रसेल अर्नोल्ड मानते हैं कि ओपनिंग साझेदारी बीते कुछ समय से टीम के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है।

उन्होंने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका की ओपनिंग साझेदारी सबसे खराब रही है। उन्हें अच्छी शुरुआत नहीं मिली है, भले ही पथुम निसांका वहां रहे हैं और बेहतर खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उनके साथ खेलने वाले खिलाड़ी बदलते रहे हैं और निशान मदुष्का, जिन्होंने अब तक लगभग 12-13 टेस्ट मैच खेले हैं, 200 रन की पारी के अलावा कुछ खास नहीं कर पाए हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर उन्हें सच में ध्यान देने की जरूरत है। टॉप ऑर्डर की बात करें तो जब गेंद नई और सख्त होती है, तो वह थोड़ी हरकत करती है। ऐसे में शॉट्स खेलना आसान नहीं होता। श्रीलंकाई टॉप ऑर्डर ने बहुत जल्दी शॉट्स खेलने की गलती की। यहां तक कि कामिंदु मेंडिस, जो अनुभवी हैं और जिन्होंने बहुत सारे रन बनाए हैं, वे भी इस जाल में फंस गए। तो यह दबाव बढ़ने या गेंदबाजों पर बहुत जल्दी हावी होने की कोशिश का मामला है, जबकि श्रीलंका की पिचों पर धैर्य दिखाने की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, "जब गेंद थोड़ी नरम हो जाती है, तो जाहिर है कि खेल थोड़ा बदल जाता है और बल्लेबाजों के लिए आसानी हो जाती है। अगर आप 30-40 ओवर के बाद पुरानी गेंद को देखें, तो ज्यादा विकेट नहीं गिरे। इसलिए हम हर साल यह बदलाव देखते हैं और हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि आपको मौकों का फायदा उठाना होगा। जैसे जब विकेट गिरता है या जब गेंद सख्त होती है। श्रीलंका के टॉप ऑर्डर में एक समस्या है। इस समय जब कुछ मुख्य खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं, तो यह उन खिलाड़ियों पर निर्भर करता है जिन्हें अभी चुना गया है कि वे इसे ठीक करें।

उन्होंने श्रीलंकाई टीम में बदलाव को लेकर कहा, "श्रीलंका के लिए बदलाव करने की बात करें तो पिच का भी रोल होता है। मुझे बस एक ही बदलाव दिख रहा है: क्या वे एक सीमर को हटाकर रमेश मेंडिस को लाएंगे? इससे दो स्पिनर छोटे स्पेल में गेंदबाजी कर पाएंगे और तरोताजा रहेंगे। भारतीय स्पिनर्स के मुकाबले उनके स्पेल बहुत लंबे थे, क्योंकि स्पिनर के तौर पर भी आपको ऊर्जा के साथ गेंदबाजी करनी होती है।

नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।''

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, ''एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रही, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।'' उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, 'क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था?' लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, 'नहीं, मैंने बस प्यार दिया।'' नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं। बता दें कि 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल संग अफेयर की खबरों पर भड़कीं मृणाल

इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलना अब एक आम बात हो गई है। लेकिन बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन झूठी खबरों को चुपचाप सहने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। हाल ही में भारतीय युवा क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर मृणाल ठाकुर का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। पूरा मामला मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित एक कैफे का है। हाल ही में मृणाल ठाकुर और क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को एक ही कैफे के बाहर अलग-अलग समय पर देखा गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर दोनों के वीडियो को जोड़कर उनके अफेयर के कयास लगाने शुरू कर दिए। 34 साल की मृणाल ठाकुर और 24 साल के यशस्वी के बीच 10 साल के अंतर को लेकर भी इंटरनेट पर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। जब यह अफवाह हद से ज्यादा बढ़ने लगी, तो अभिनेत्री ने खुद सामने आकर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए मृणाल ठाकुर ने लिखा, 'भाई थोड़ा रिलैक्स करो... मुझे दिखाओ कि हम एक साथ कहां हैं? आप जैसे पढ़े-लिखे लोग इन अफवाहों को सच कैसे मान सकते हैं? देश में क्या कुछ नहीं हो रहा है। जेन-जी से कुछ सीखिए और सही मुद्दों पर वीडियो बनाइए, ताकि आपको ज्यादा व्यूज मिल सकें।' हालांकि, कुछ समय बाद यह कमेंट वीडियो के नीचे से हटा दिया गया, लेकिन तब तक मृणाल के इस रिएक्शन का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था। प्रशंसकों ने मृणाल के इस बेबाक अंदाज़ की काफी सराहना की है।

आत्मविश्वास को लेकर बोलीं ईशा कोप्पिकर

स्टाइलिश दिखने का उम्र से लेना-देना नहीं

बढ़ती उम्र को लेकर अब लोगों की सोच बदल रही है। खासकर अभिनेत्रियां अपने अनुभवों के साथ यह बताती नजर आती हैं कि उम्र किसी की खूबसूरती, आत्मविश्वास या पहचान तय नहीं करती। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर भी इसी सोच को लेकर अपनी बात सामने रखती रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहतरीन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन लिखा है।

पहले से ज्यादा बेबाक हुई

अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर कीं हैं। उस पर अलग-अलग कैप्शन लिखा है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा 'अब मैं पहले से थोड़ी ज्यादा आत्मविश्वासी, अपनी पसंद को लेकर ज्यादा सजग और खुद को लेकर पहले से ज्यादा बेबाक हूं। असली खूबसूरती और अंदाज उम्र में नहीं, बल्कि इस बात में है कि इंसान समय के साथ खुद को कितना बेहतर बनाता है।'

जिंदगी को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं

ईशा ने आगे लिखा 'मैं अब बेहतर चुनाव करती हूं, गहराई से प्यार करती हूं और जिंदगी के हर पड़ाव को खास बनाने की कोशिश करती हूं। मैं वही लड़की हूं, लेकिन अब मेरे स्टैंडर्ड पहले से बेहतर हैं।'

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

पैन इंडिया फिल्म 'स्लम डॉगः 33 टेंपल रोड' में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बन रही पैन इंडिया फिल्म 'स्लम डॉग: 33 टेंपल रोड' में अभिनेत्री तब्बू भी अहम किरदार में नजर आएंगी। फिल्म से तब्बू का लुक सामने आया है जिसे एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। इस एक पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने फैंस को अपने किरदार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनके किरदार का नाम क्या होगा ? और वह कैसा होगा? 'स्लम डॉग' में तब्बू एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस के साथ कुछ खास जानकारियां साझा कीं। फिल्म में तब्बू एक सख्त आयकर अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। इस फिल्म में तब्बू के किरदार का नाम गौरी हेगड़े है। गौरी को एक निर्दयी, बेरहम और साहसी महिला के रूप में पेश किया गया है। एक्ट्रेस की शेयर की गई पोस्ट में वह बड़े गंभीर अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म से शेयर किए एक वीडियो में वह विजय सेतुपति से पूछताछ करती नजर आ रही हैं। इस एक पोस्ट के अलावा तब्बू ने 'स्लम डॉग' की एक क्लिप भी शेयर की। इसके कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, 'आप सभी मिलिए गौरी हेगड़े से। जो कि एक दृढ़, निडर और हमेशा अपने सिद्धांतों पर डटी रहने वाली महिला है। इस फिल्म के लिए हैदराबादी बोलने में बहुत मजा आया।' कैप्शन में तब्बू ने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही प्रोड्यूसर चार्मी कौर का भी शुक्रिया अदा किया।

'स्लमडॉग 33' के बारे में

फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ ने किया है। वहीं इसे पुरी के साथ मिलकर अभिनेत्री चार्मी कौर ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म में विजय सेतुपति एक बहुत ताकतवर और बेबाक किरदार निभाएंगे। यह एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है जिसे पांच भाषाओं तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की कास्ट में विजय और तब्बू के अलावा संयुक्ता, दुनिया विजय, ब्रह्माजी और वीटीवी गणेश भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यशराज फिल्म्स हॉरर फिल्म में व निभाएंगे लीड

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि निर्देशन और पटकथा की जिम्मेदारी 'रॉकेट बॉयज़' से चर्चित अभय पन्नू संभालेंगे। फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अंत में शुरू होने की योजना है और इसे में दुनियाभर के रिलीज़ किया जा

इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है। सूत्रों का कहना है कि यश राज फिल्म्स ने अब तक लगभग हर प्रमुख जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ऐसा जॉनर था, जिसमें स्टूडियो ने अब तक कदम नहीं रखा था। यह फिल्म उसी दिशा में [illegible] की पहली पेशकश होगी।

सूत्रों के अनुसार, अभय पन्नू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। 'रॉकेट बॉयज़' की सफलता के बाद यह अभय पन्नू की पहली थिएटरिकल फिल्म होगी। इसके साथ ही यह परियोजना नई पीढ़ी के फिल्मकारों को अवसर देने की वाईआरएफ की रणनीति को भी आगे बढ़ाती है। 'सैयारा' की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में स्टूडियो मोहित सूरी, समीर सक्सेना और अब अभय पन्नू जैसे निर्देशकों के साथ काम कर रहा है। 'सुई धागा' के बाद यह वरुण धवन की यश राज फिल्म्स के साथ दूसरी फिल्म होगी। इस बार वह स्टूडियो की पहली थिएटरिकल हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो के साथ नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जोनस और ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो एक साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगे। यह एक साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म को हॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'प्रिडेटर्स' डायरेक्टर निम्रोद एंटल निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'ब्लूफ्लाई' इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में की जाएगी। 'डेडलाइन' के मुताबिक इस फिल्म से लिया बुमन, गाइ डेविस, रूथएन फ्रिगेरियो, ब्रायन कवानाघ जोंस, जेसन क्रिंगस्टीन, केटी लीरी, स्कॉट लेवेंसन और जेम्स नॉरबरी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। फिल्म की कहानी कांगो में रहने वाली एक यूएन ट्रांसलेटर की है। वह एक क्रैश प्लेन को खोजने के सीक्रेट मिशन पर है। इस मिशन में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आखिर में जब फिल्म की लीड कैरेक्टर विमान के करीब पहुंचती है तो उसे अहसास होता है कि इस प्लेन को कभी वापस नहीं लाना चाहिए था।

इन फिल्मों में नजर आएंगी

प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के अलावा भारतीय फिल्में भी कर रही हैं। वह आठ साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म में पौराणिक कहानियों और साइंस फिक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। इसके अलावा प्रियंका का नाम बॉन्ड गर्ल के तौर पर चुने जाने के लिए भी सामने आ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401